साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 21 | जौनपुर, शनिवार, 07 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

अगले चार सालों में देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनेगा यूपी – योगी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि विकास और सुरक्षा का मॉडल ही वर्तमान और भावी पीढ़ी को उज्जवल भविष्य के मार्ग पर आगे बढ़ाएगा और इसका लाभ अनंत काल तक प्राप्त होगा। सरकार के विकास प्रस्तावों में विघ्न डालने के बजाय विकास का सहभागी बनना चाहिए क्योंकि इसी में पीढ़ियों का भविष्य जुड़ा है इसलिए विकास का सिलसिला निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। सीएम योगी पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के सोनबरसा में 535 करोड़ रुपये की लागत वाली पांच विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इन विकास परियोजनाओं में प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा को स्मार्ट स्कूल बनाने, इसी ग्राम पंचायत में स्मार्ट पंचायत भवन और बालापार–टिकरिया मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज का लोकार्पण व बालापार–टिकरिया–गांगी बाजार मार्ग के फोरलेन में उच्चीकरण तथा नवीन थाना सोनबरसा के प्रशासनिक–आवासीय भवनों के निर्माण कार्य के शिलान्यास शामिल हैं। समारोह में उपस्थित जनसमूह से मुख्यमंत्री ने प्रदेश और गोरखपुर के विकास को लेकर विस्तृत से चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि जब विकास होगा तभी उद्यमिता बढ़ेगी। क्षेत्र में नए–नए युवा उद्यमी बन पाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए दो चरणों में ब्याज मुक्त लोन देने की व्यवस्था कर दी है। पहले चरण में पांच लाख और दूसरे चरण में 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा। इस व्यवस्था के तहत लोन लेने वाले युवा को बैंकों को सिर्फ मूल पूंजी वापस करनी होगी, ब्याज का पैसा सरकार चुकता करेगी।

बालापार क्षेत्र के लोगों का आसान हो जाएगा जीवन

सीएम योगी ने कहा कि आज बालापार, टिकरिया और आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए रेल ओवर ब्रिज का लोकार्पण किया गया है। इसके साथ ही बालापार, टिकरिया से लेकर गांगी तक फोरलेन सड़क का शिलान्यास किया गया है। इससे इस क्षेत्र के लोगों का जीवन बहुत

आसान हो जाएगा। आधे घंटे की दूरी अब पांच मिनट में पूरी हो जाएगी।

फोरलेन निर्माण में नहीं टूटने देंगे किसी का मकान

सीएम योगी ने कहा कि फोरलेन निर्माण के लिए उन्होंने निर्देश दे रखा है कि फोरलेन बनाने के दौरान मकान नहीं टूटने चाहिए, भले ही फोरलेन का नक्शा बदलना पड़े। इसके साथ ही सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा देने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सोनबरसा में नया थाना बन जाने से लोगों की सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ होगी।

पैसों से खरीदें खेत, कुछ नया काम भी शुरू करें

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे जमीन के मुआवजे के पैसों से दूरदराज के क्षेत्र में खेत खरीदें और कुछ नया काम भी शुरू करें। इससे आने वाली पीढ़ी खुशहाल बनेगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है देश

सीएम योगी ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की तूती बोलती है। भारत की पहचान पूरी दुनिया में विकास के एक मॉडल के रूप में बनी है। देश विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आने वाले तीन वर्षों में यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा और इसमें उत्तर प्रदेश की भी बड़ी भूमिका होगी।

आने वाले चार वर्षों में देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था होगा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी थी तब उत्तर प्रदेश देश में सातवें नंबर की अर्थव्यवस्था था। सात सालों में यूपी दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था है और आने वाले चार सालों में यह देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था होगा।

विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं

सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। गोरखपुर का विकास इसका प्रमाण है। आज गोरखपुर में बंद पड़ा खाद कारखाना फिर से चल रहा है। एम्स बन गया है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज बेहतरीन सुविधाओं का केंद्र बन गया है। गोरखपुर का रामगढ़ताल पर्यटन और रोजगार का नया केंद्र बन गया है। गोरखपुर में चारों तरफ सड़कों का संजाल बिछ चुका है।

संक्षिप्त खबरें

अदालत ने आप विधायक अमानतुल्लाह की ईडी हिरासत तीन दिन और बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने धन शोधन मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्ला खान की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हिरासत शुक्रवार को और तीन दिन के लिए बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने यह आदेश केंद्रीय जांच एजेंसी के आवेदन पर दिया। ईडी ने अदालत से अमानतुल्लाह की हिरासत और 10 दिन के लिये उसे देने का अनुरोध किया था। न्यायाधीश ने कहा, ''हिरासत तीन दिन के लिए बढ़ाई जाती है। उन्हें नौ सितंबर को पेश किया जाए।'' ईडी ने खान की पूर्व में उसे दी गई चार दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद अदालत के समक्ष पेश किया था। एजेंसी ने राष्ट्रीय राजधानी के ओखला क्षेत्र में स्थित अमानतुल्लाह के आवास की तलाशी लेने के बाद दो सितंबर को उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएम एलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में ले लिया था।

योगी सरकार की कार्रवाई में अपराधियों की जाति नहीं देखी जाती – भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

सुल्तानपुर, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सराफा डकैती कांड के बदमाश मंगेश यादव के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के मामले में पुलिस को क्लीनचिट दी। शुक्रवार को जिले में पार्टी की सदस्यता अभियान में हिस्सा लेने आए प्रदेश अध्यक्ष ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के बयान पर करारा प्रहार किया। कहा कि पूर्व की सरकारें वोट बैंक के नाम पर अपराधियों को संरक्षण देती थीं लेकिन योगी सरकार अपराधियों की संलिप्तता मिलते ही उन पर कार्रवाई कर रही है। सरकार अपराधों के समूल नाश करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पिछले सात सालों में सीएम के नेतृत्व में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई हुई है।

अमित शाह जारी किया बीजेपी का मेनिफेस्टो

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आगामी जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। जम्मू–कश्मीर बीजेपी प्रमुख रविंदर रैना और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद हैं। सभा को संबोधित करते हुए, अमित शाह ने कहा कि आजादी के बाद से जम्मू–कश्मीर हमारी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण रहा है। हमने सदैव इस भूमि को भारत के पास अक्षुण्ण रखने का प्रयास किया है। हमारी पार्टी का मानना ध्है कि जम्मू–कश्मीर हमेशा से भारत का हिस्सा रहा है और रहेगा। 2014 तक जम्मू–कश्मीर हमेशा अलगाववाद और आतंकवाद के साये में रहा। अमित शाह ने कहा कि विभिन्न राज्य और गैर–राज्य कर्ताओं ने राज्य को अस्थिर बनाए रखा। सभी सरकारों ने राज्य के साथ तुष्टिकरण की नीति अपनाई। जब भी जम्मू–कश्मीर का इतिहास लिखा जाएगा, 2014 के बाद के ये दस साल राज्य के लिए स्वर्णिम काल के रूप में अंकित होंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से जम्मू–कश्मीर हमारी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण रहा है। हमने हमेशा इस भूमि को भारत के साथ बरकरार रखने की कोशिश की है। हमारी पार्टी का मानना है कि जम्मू–कश्मीर हमेशा भारत का हिस्सा रहा है और रहेगा। शाह ने कहा कि 2014 तक जम्मू–कश्मीर हमेशा अलगाववाद और आतंकवाद के साये में रहा। विभिन्न राज्य और गैर–राज्य कर्ताओं ने राज्य को अस्थिर बनाए रखा। सभी सरकारों ने राज्य के साथ तुष्टिकरण की नीति अपनाई। जब भी जम्मू–कश्मीर का इतिहास लिखा जाएगा, 2014 के बाद के ये दस साल राज्य के लिए स्वर्णिम काल के रूप में अंकित होंगे। उन्होंने कहा कि मैंने एनसी (नेशनल कॉन्फ्रेंस) का एजेंडा देखा है। मैंने एनसी के एजेंडे के प्रति कांग्रेस का मूक समर्थन भी देखा है।श लेकिन, मैं देश से कहना चाहता हूं कि धारा 370 इतिहास है, ये कभी वापस नहीं आएगी और हम ऐसा नहीं होने देंगे। अनुच्छेद 370 ही वह चीज थी जिसने युवाओं के हाथों में हथियार और पत्थर दिए। शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 के कारण आरक्षण संभव नहीं था महिलाओं, दलितों और आदिवासियों को अन्याय का सामना करना पड़ा। हालाँकि, पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आरक्षण की शुरुआत की। अब ओबीसी का आरक्षण बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ी आरक्षण से वंचित रहे।

जल संचय जन भागीदारी भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा – पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने जल संचय जनभागीदारी पहल शुरू की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज गुजरात की धरती से जलशक्ति मंत्रालय द्वारा एक अहम अभियान का शुभारंभ हो रहा है। इससे पूर्व पिछले दिनों देश के हर कोने में वर्षा का जो तांडव हुआ, देश का शायद ही कोई ऐसा इलाका होगा जिसको इस मुसीबत से संकट न झेलना पड़ा हो। उन्होंने कहा कि इस बार गुजरात पर बहुत बड़ा संकट आया। सारी व्यवस्थाओं की ताकत नहीं थी कि प्रकृति के इस प्रकोप के सामने हम टिक पाएं। लेकिन गुजरात के लोगों और देशवासियों के एक स्वभाव है

कि संकट की घड़ी में कंधे से कंधा मिलाकर हर कोई, हर किसी की मदद करता है। मोदी ने कहा कि जल संचय केवल एक नीति नहीं है, ये एक प्रयास भी है और यूं कहें कि ये एक पुण्य भी है। इसमें उदारता भी है और उत्तरदायित्व भी है। आने वाले पीढियां जब हमारा आंकलन करेंगी तो पानी के प्रति हमारा रवैया, शायद उनका पहला पैरामीटर होगा। उन्होंने कहा कि क्योंकि ये केवल संसाधनों का प्रश्न नहीं है। ये प्रश्न जीवन का है, ये प्रश्न मानवता के भविष्य का है। इसलिए हमने टिकाऊ भविष्य के लिए जिन 9 संकल्पों को सामने रखा है, उनमें जल संरक्षण पहला संकल्प है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, प्रकृति संरक्षण... ये हमारे लिए कोई नए शब्द नहीं है। ये हालात के कारण हमारे हिस्से आया काम नहीं है। ये भारत की सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हम उस संस्कृति के लोग हैं, जहां जल को ईश्वर का रूप कहा गया है। नदियों को देवी माना गया है, सरोवरों और कुंडों को देवालय का दर्जा मिला है। मोदी ने कहा कि जल–संरक्षण केवल नीतियों का नहीं, बल्कि सामाजिक निष्ठा का भी विषय है।

ममता के कारण अटका अपराजिता बिल – बंगाल गवर्नर

कोलकाता, एजेसी। बलात्कार विरोधी विधेयक के साथ एक तकनीकी रिपोर्ट भेजने में विफल रहने के लिए ममता बनर्जी प्रशासन को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस

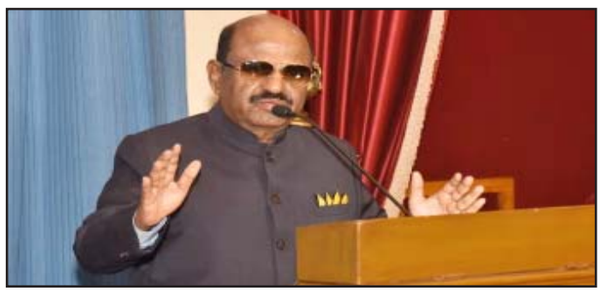

की आलोचना का सामना करना पड़ा, जो कानून पर उनकी सहमति के लिए आवश्यक दस्तावेज था। राज्यपाल ने अपराजिता विधेयक के साथ तकनीकी रिपोर्ट संलग्न करने में विफल रहने के लिए राज्य प्रशासन की आलोचना की। नियम के अनुसार, राज्य सरकार के लिए विधेयक पर सहमति देने पर निर्णय लेने से पहले तकनीकी रिपोर्ट भेजना अनिवार्य है। यह पहली बार नहीं है कि सरकार ने तकनीकी रिपोर्टों को रोक दिया है और बिलों को मंजूरी नहीं देने के लिए राजभवन को दोषी ठहराया है। अधिकारियों ने बताया कि चूंकि यह बंगाल राज्य में एक नियमित प्रथा है, राज्यपाल रिपोर्ट न मिलने से निराश थे और बाद में उन्हें कानून को मंजूरी न देने के लिए दोषी ठहराया गया। बोस ने प्रशासन पर भी कटाक्ष किया और उन पर कानून, खासकर बलात्कार जैसे जटिल और संवेदनशील मामले से निपटने वाले विधेयक पर मेहनत से काम नहीं करने का आरोप लगाया। अधिकारी ने कहा कि बोस ने बताया है कि (अपराजिता) विधेयक आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश द्वारा पारित समान विधेयकों की कॉपी–पेस्ट प्रतीत होता है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केवल पश्चिम बंगाल के लोगों की आंखों में धूल झोंकने के लिए धरने की धमकी दे रही हैं क्योंकि वह भी अच्छी तरह से जानती हैं कि इसी तरह के विधेयक भारत के राष्ट्रपति के पास लंबित हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने 3 सितंबर को अपराजिता महिला और बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून और संशोधन) विधेयक 2024 पारित किया।

हरियाणा में चुनाव नहीं लड़ेगी सपा - अखिलेश

नई दिल्ली, एजेसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव से समाजवादी पार्टी (सपा) ने किनारा कर लिया है। इसके संकेत सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के विकास और सौहार्द की विरोधी भारतीय जनता पार्टी को हराने में 'इंडिया अलायंस' की जो भी पार्टी सक्षम होगी, हम उसके साथ अपने संगठन और समर्थकों की शक्ति को जोड़ देंगे। सपा प्रमुख का बयान ऐसे वक्त में आया है, जब हरियाणा में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप) और अन्य सहयोगी दलों से सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत चल रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हरियाणा चुनाव में 'इंडिया अलायंस' की एकजुटता नया इतिहास लिखने में सक्षम है। हमने कई बार कहा है और एक बार फिर दोहरा रहे हैं व आगे भी दोहराएंगे कि 'बात सीट की नहीं जीत की है'। हरियाणा के विकास व सौहार्द की विरोधी 'भाजपा

की नकारात्मक, साम्प्रदायिक, विभाजनकारी राजनीति' को हराने में 'इंडिया अलायंस' की जो भी पार्टी सक्षम होगी, हम उसके साथ अपने संगठन और समर्थकों की शक्ति को जोड़ देंगे। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, बात दो–चार सीटों पर प्रत्याशी उतारने की नहीं है, बात तो जनता के दुख–दर्द को समझते हुए उनको भाजपा की जोड़–तोड़ की भ्रष्टाचारी सियासत से मुक्ति दिलाने की है, साथ ही हरियाणा के सच्चे विकास और जनता के कल्याण की है। पिछले 10 सालों में भाजपा ने हरियाणा के विकास को बीसों साल पीछे धकेल दिया है। अखिलेश यादव ने आगे कहा, हम मानते हैं कि हमारे या इंडिया अलायंस के किसी भी दल के लिए, ये समय अपनी राजनीतिक संभावना तलाशने का नहीं है, बल्कि त्याग और बलिदान का है। जनहित के परमार्थ मार्ग पर स्वार्थ के लिए कोई जगह नहीं होती। कुटिल और स्वार्थी लोग कभी भी इतिहास में अपना नाम दर्ज नहीं करा सकते हैं। ऐसे लोगों की राजनीति को हराने के लिए ये क्षण, अपने से ऊपर उठने का ऐतिहासिक अवसर है। हम हरियाणा के हित के लिए बड़े दिल से, हर त्याग–परित्याग के लिए तैयार हैं। इंडिया अलायंस की पुकार, जनहित में हो बदलाव।श हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर एक चरण में 5 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। वहीं, चुनाव के नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। फिलहाल हरियाणा में भाजपा की सरकार है।

कांग्रेस में शामिल हुए विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया भाजपा पर जमकर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों से चल रही कयासबाजी को विराम देते हुए ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने राजनीति के अखाड़े में उतरते हुए शुक्रवार को कांग्रेस का हाथ थाम लिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने विनेश और बजरंग को पार्टी की सदस्यता दिलाई। उन्होंने कहा, "आज का दिन बहुत बड़ा है। हम शुरू से ही पहलवानों के साथ रहे हैं और आगे भी रहेंगे। हमें इन दोनों ही पहलवानों पर गर्व है। इससे कुछ देर पहले विनेश फोगाट ने रेलवे की नौकरी से इस्तीफा देने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी थी। दोनों ओलंपियन का पार्टी में स्वागत करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, "दोनों ही खिलाड़ियों ने देश का दिल जीता

है। कांग्रेस में शामिल होने के बाद विनेश फोगाट ने कहा, "मुझे इस बात की खुशी है कि मैं आज उस पार्टी में हूं, जो महिलाओं के साथ हमेशा रहती है। मैं मीडिया का भी धन्यवाद करना चाहूंगी कि वे हमारे साथ हमेशा रहे। हमारी आवाज को बुलंद करने में मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। मुश्किल समय में किसी ने हमारा साथ दिया, तो वह कांग्रेस थी। जब हमने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आवाज उठाई तो हमारे साथ देश की हर पार्टी खड़ी थी, लेकिन भाजपा नहीं थी। विनेश ने आगे कहा, "हम कांग्रेस पार्टी और देश को मजबूत करेंगे। ग्राउंड पर रहकर काम करेंगे। "हम कांग्रेस के साथ हमेशा रहेंगे। पूरे देश की पार्टी मुश्किल वक्त में हमारे साथ थी, लेकिन भाजपा ने हमारा साथ नहीं दिया। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दोनों पहलवानों के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की थी। इस दौरान पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल भी मौजूद रहे। खड़गे ने मुलाकात की तस्वीर भी अपने एक्स हैंडल पर साझा की थी। उन्होंने लिखा था, "चक दे इंडिया, चक दे हरियाणा!

शांति स्थापना के लिए कमांडर्स को रहना होगा युद्ध के लिए तैयार – राजनाथ सिंह

लखनऊ, संवाददाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने पहले के बयान का जवाब दिया कि सशस्त्र बलों को युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हालत में भारत की शांति भंग न हो सके। भारत के वसुधैव कुटुंबकम के संदेश पर प्रकाश डालते हुए सिंह ने कहा कि भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है लेकिन आज की भू–राजनीतिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत और दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए भारत को हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहने की जरूरत है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का एकमात्र देश है जिसने वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया है। भारत ने हमेशा शांति की वकालत की है और हमेशा करेगा। लेकिन आज भू राजनीतिक स्थिति को देखते हुए, मैंने कहा सेना से कहा कि भारत और विश्व में शांति बनाए

रखने के लिए हमें हमेशा युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए ताकि किसी भी परिस्थिति में भारत की शांति भंग न हो। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने शहर के खाटू श्याम मंदिर में पूजा–अर्चना भी की। राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता और एकीकरण को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

संपादकीय

खाली पड़े पहाड़ों की पुकार

एक समय था जब वह और उनका पूरा परिवार हर साल अपने गांव, टिहरी गढ़वाल जाया करती थी। शहर की चकाचौंध से दूर, गांव की सरल जिन्दगी उन्हें बहुत आनंद देती थी। लेकिन अब ऐसा कुछ देखने को नहीं मिलता। गांव में सुविधाओं की कमी, पहाड़ियों को मजबूर कर रही हैं कि वे अपने घरों को छोड़कर शहरों की तरफ जाएं। उन्होंने खुद उच्च शिक्षा के लिए अपनी मिट्टी छोड़ी। बड़े सपने देखने की ख्वाहिश एक पहाड़ी की नहीं होती, बल्कि कम चीजों में भी गुजारा करना ही एक पहाड़ी की पहचान है। ये बातें वह आज समझती हैं। उनके राज्य में 80% से ज्यादा लोग ग्रामीण पहाड़ी क्षेत्रों के निवासी हैं। उत्तराखंड बनने के बाद से ही बाह्य–प्रवासन देखने को मिला है। सच्चाई यह है कि 2001 से 2011 के बीच, ग्रामीण जनसंख्या में 7: की कमी आई, जबकि शहरी जनसंख्या लगभग 35% बढ़ गई, जो राज्य की औसत वृद्धि दर का दोगुना है। यह बाह्य–प्रवासन निम्नलिखित कारणों से हो रहा है बुनियादी सुविधाओं, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य केंद्र और नौकरियों की कमी। और एक और कारण उत्तराखंड में होने वाली प्राकृतिक आपदाएं भी हैं, जैसे भूकंप, भूस्खलन, और बादल फटने की घटनाएं। ऐसा नहीं है कि सरकार द्वारा कदम नहीं उठाए गए हैं। सरकार ने कई स्कूल, कॉलेज, अस्पताल खोले और कुछ रोजगार की योजनाएं भी लाई, पर पहाड़ी निवासियों की जनसंख्या के अनुसार वे कम थे। प्राथमिक स्कूल खुलने के बाद माध्यमिक स्कूलों का न होना अक्सर गांव के बच्चों को या तो शहरों की ओर, या फिर अपने राज्य से बाहर प्रवास करने के लिए मजबूर करता है। यही स्थिति कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के मामलों में भी देखने को मिलती है। अस्पताल प्राथमिक स्तर के हैं, पर माध्यमिक नहीं हैं। और रोजगार के साधन पर्याप्त मात्रा में उत्तराखंड में नहीं बनाए जा सके हैं। पहाड़ में एक इंसान अपने परिवार का पालन–पोषण करने के लिए सुबह से शाम तक सड़कों के किनारे खड़े होकर सामान बेचने से लेकर, ढाबे में चाय तक बनाने का काम करता है। अब हमारे पहाड़ों में अक्सर परिवारों के लोग होटल लाइन में काम करते हुए मिलना एक आम बात है। यदि पहाड़ों में पढ़ाई की सुविधा बेहतर हो जाए, तो नौकरियों की दर बढ़ जाएगी, पर दूसरी ही सांस में वह यह भी कहती हैं कि क्या उत्तराखंड पढ़े–लिखे लोगों को उनकी पसंद की नौकरी दे पाएगा? पहाड़ों से पलायन को रोकने के लिए कोशिशें होनी चाहिए कि छोटे से छोटे रोजगार के साधनों को बढ़ावा दिया जाए। यदि सरकार कर सके, तो हर 3 महीने में ऐसे कार्यक्रम टीवी, एफएम रेडियो, फेसबुक और ट्विटर के माध्यम से जारी किए जाएं, जहां आम लोगों की बातें सुनी जाएं। स्कूल–कॉलेजों में एक विषय अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, जिसमें उन्हें यह सिखाया जाए कि हम अपने पहाड़ में रोजगार कैसे ला सकते हैं?

स्कूल–कॉलेजों में एक विषय अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, जिसमें उन्हें यह सिखाया जाए कि हम अपने पहाड़ में रोजगार कैसे ला सकते हैं? – फोटो रू प्जवबा

आज बड़ी संख्या में युवा देहरादून, दिल्ली, चंडीगढ़ जैसे स्थानों पर पलायन कर रहे हैं और अच्छी नौकरी मिलने के बाद वहीं बस जाते हैं। शहरों में होने वाले रोजमर्रा के खर्चे, किराए के कमरे न जाने कितने युवाओं के परिजनों को 10 गुना मेहनत करके पैसे भेजने के लिए मजबूर करते हैं। लेखिका उत्तराखंड सरकार द्वारा फ्री बस और यात्रा पास की सुविधा की सराहना करती हैं। लेखिका यह भी कहती हैं कि चाहे स्कूल हो, कॉलेज या विश्वविद्यालय, निजी या सरकारी, ऑनलाइन साधनों के प्रयोग से आधुनिक और उन्नत शिक्षण तकनीकों और कौशलों को शामिल किया जाना चाहिए। आज से ही अपने बच्चों को उत्तराखंड की बेहतर बातें बताना शुरू करें और जिन कमियों को दूर करने की जरूरत है, उन्हें समझाएं। युवाओं से यह भी अपेक्षा है कि वे पहाड़ों की समस्याओं को समझें और ऐसे बदलाव लाएं, जो आने वाली पीढ़ी को पलायन से रोक सकें।

पर्यटन उद्योग, पहाड़ी भोजन उद्योग, टूरिस्ट गाइड सेवाएं, सर्वश्रेष्ठ होटल प्रबंधन और आतिथ्य सेवाओं के पाठ्यक्रम, कृषि को प्रोत्साहित करने वाले ज्ञान आधारित विषय और पारंपरिक हस्तशिल्प का ऑनलाइन व्यापार ऐसे कुछ क्षेत्र हैं जहां रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं। एक प्रगतिशील पहाड़ी के दृष्टिकोण से, किसी भी कार्य में श्रम की गरिमा और कार्य विभाजन को मान्यता देना आवश्यक है। अगर कोई व्यक्ति पढ़ाई के बाद भी एक हाथ से बुना हुआ स्वेटर या मफलर बेचता है, तो उसकी सराहना इस बात के लिए होनी चाहिए कि वह अपने लिए रोजगार का साधन बना पाया। लेखिका राज्य में रहने वाले हर व्यक्ति से अपील करती हैं कि वे राज्य के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। साथ ही, सरकार और शिक्षा मंत्रालय से आग्रह करती हैं कि स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में रोजगार को बढ़ावा देने वाले विषयों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। लेखिका का सुझाव है कि ये विषय पहाड़ी क्षेत्रों के अनुरूप हों, ताकि शहरों से बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए गांवों का रुख करें और अपनी मिट्टी को बेहतर ढंग से समझ सकें। अंत में, लेखिका सकारात्मक सोच के साथ लिखती हैं कि वह स्वयं भी प्रयास करेंगी कि अपने पहाड़ के लिए कुछ बेहतर कर सकें।

रिश्तों की गर्मजोशी का संदेश देने का समय

मरिआना

क्या भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले माह इस्लामाबाद में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे–यह सवाल पाकिस्तान में चर्चा का विषय बना हुआ है। विगत 29 अगस्त को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह 15 से 16 अक्तूबर तक एससीओ के सदस्य देशों के प्रमुखों की मेजबानी करेगा। यह 2012 में हुए विकासशील देशों के सम्मेलन के बाद पाकिस्तान में पहला बड़ा सम्मेलन होगा, जिसमें शीर्ष नेता भागीदारी करेंगे। वर्ष 2001 में स्थापित राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी संगठन एससीओ के अनिवार्य शिष्टाचार के तहत सभी सदस्य देशों के प्रमुखों को बैठक में आने के लिए निमंत्रण भेज दिया गया है। रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और ईरान ने बैठक में शामिल होने के लिए अपनी सहमति भी भेज दी है। लेकिन सबकी नजरें नई दिल्ली पर टिकी हैं। अब तक भारत के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट नहीं किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मेलन को आभासी ढंग से संबोधित करेंगे या अपना प्रतिनिधि भेजेंगे। एससीओ शासनाध्यक्षों से पहले वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक होगी, जिसमें

विदेश मंत्री भी शामिल होंगे। पिछले वर्ष जब एससीओ की बैठक गोवा में हुई थी, तो उसमें पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने हिस्सा लिया था। तो क्या भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस्लामाबाद आएंगे? भारत के शीर्ष नेतृत्व के पाकिस्तान दौरे को लेकर खबरों का बाजार गर्म है। पाकिस्तानी मीडिया मोदी के स्वागत को लेकर उत्साहित है, ताकि लंबे समय से द्विपक्षीय संबंधों पर जमी बर्फ पिघल सके और रिश्तों में गर्माहट आए। लेकिन विश्लेषकों को आशंका है कि भारत की ओर से कोई भी प्रतिनिधि ा पाकिस्तान नहीं आएगा।

व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी को पाकिस्तान आकर रिश्तों की गर्मजोशी का संदेश देना चाहिए। वह तीसरी बार मुल्क के प्रधानमंत्री बने हैं और अपनी मजबूतइच्छाशक्ति दिखाकर लोगों को आश्चर्यचकित कर सकते हैं। जैसा कि वर्ष 2015 में काबुल से लौटते वक्त वह अचानक लाहौर पहुंचे थे, और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की नातिन की शादी में शरीक हुए थे। मुझे याद है, तब इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायुक्त टीसीए राघवन ने अपनी कार में पेट्रोल भरवाया, लेकिन यह सोचकर कि पांच घंटे गाड़ी चलाकर वह समय पर लाहौर एयरपोर्ट नहीं पहुंच सकते हैं, इसलिए सीधे शरीफ परिवार के पैतृक घर पहुंच गए थे। दुर्भाग्य से मोदी के नई दिल्ली लौटने के कुछ दिन बाद ही दो जनवरी, 2016 को पठानकोट एयरबेस पर पाकिस्तानी आतंकियों ने हमला कर दिया, जिसके बाद रिश्ते खराब हो गए। हालांकि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अभी कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन खबरें हैं कि एससीओ की बैठक में चीन के प्रधानमंत्री आएंगे और एससीओ बैठक से अलग द्विपक्षीय मुलाकात भी करेंगे। एससीओ जैसी बैठकें भारत और पाकिस्तान के लिए इन बैठकों से इतर मिलने का एकमात्र माध्यम हैं, लेकिन दुर्भाग्य से पिछले कई वर्षों से दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय वार्ता नहीं हुई है। पिछली बार बिलावल भुट्टो जब गोवा गए भी थे, तब भी उनकी भारतीय विदेश मंत्री के साथ अलग से कोई बैठक नहीं हुई थी, जबकि जयशंकर अन्य एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों से बड़ी सहजता से मिले थे। एससीओ बैठक द्विपक्षीय मुद्दों का मंच नहीं है, लेकिन वर्ष 2015 में रूस के उफा शहर में हुए एससीओ सम्मेलन से इतर नवाज शरीफ और नरेंद्र मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई थी और दोनों ने संयुक्त बयान जारी किया था। असल में एससीओ बैठक हो या दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) सम्मेलन, हमेशा सभी की निगाहें इस पर टिकी होती हैं कि क्या भारत और पाकिस्तान के बीच कोई वार्ता होगी या दोनों देशों के शीर्ष नेता हाथ मिलाएंगे? याद करें, जब 2002 में काठमांडू में हुए सार्क सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ ने खड़े होकर भारत के करिश्माई राजनेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के पास जाकर हाथ मिलाया था।

इस बात की दुनिया भर में सराहना हुई थी और दुनिया ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को महसूस किया था। भले ही दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व निरंतर जारी तनाव को खत्म नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन मुझे यकीन है कि अगर एक दिन के लिए भी दोनों मुल्कों के लोगों को मौका दिया जाए, तो हजारों लोग सीमा पार कर एक–दूसरे से मिलने के लिए दौड़ पड़ेंगे, क्योंकि दोनों मुल्कों के आम लोगों में एक–दूसरे प्रति काफी सम्मान और दिलचस्पी है।

सांप्रदायिक अपराध और उसका निराकरण

प्रवीण

सभी लोग सुख–शांति से अपना जीवन यापन कर रहे होते हैं। अचानक वहां गाँव के किनारे पर एक फकीर आकर मिट्टी का एक ढेर बनाता है उस पर चादर डालता है और फिर उसके बगल में एक झोपड़ी बनाकर रहने लग जाता है। अब श्यामपुर के लोग आते जाते लोगों को वह फकीर या मजार का खादिम बहलाता– फुसलाता है और लोग वहाँ माथा टेकने लगते हैं। लोगों की श्रद्धा को बढ़वाकर वह खादिम दूसरे चरण में भोले–भाले ग्रामीणों से कहता है कि वे अपने खेत में ही एक छोटे से कोने कहीं मजार बना देंगे तो वह आकर उस मजार पर नमाज पढ़कर उसे भी सिद्ध बना देगा। खदिम के बहकावे में आकर वह ग्रामीण ऐसा ही करता है और अपने खेत में मजार बनाकर वहाँ प्रतिदिन दिया–बत्ती करने लग जाता है। लोगों का आना जाना बढ़ता है तो वहाँ एक दानपेटी रख दी जाती है। अब खघदिम हर सप्ताह आकर उस दानपेटी से राशि निकालकर ले जाता है। शनैः–शनैः वह खादिम, उसी ग्रामीण के पैसों से मजार पर टिन डलवा देता है उसे पक्का निर्माण करवा देता है। इधर मजार पर लोगों का आना–जाना बढ़ता है उधर गाँव में कुछ और मुस्लिम परिवार आकर बसने लगते हैं और मजारें भी बढ़ने लगती है। अचानक गाँव में लव जिहाद की घटनाएँ बढ़ने लगती हैं। गाँव की लड़कियों मुस्लिम लड़कों के झाँसे में आकर अपना सर्वस्व उन्हें सौंपने लगती है। अब गाँव में कभी गर्भस्थ होने से, कभी इज्जत के डर से, कभी मजार के खादिम के नाराज होने के डर से तो कभी बाहुबल के सहारे हिंदू लड़कियां मुस्लिम लड़कों से निकाह करने लगती हैं। कभी–कभी तो इस कार्य में हिंदू लड़कियों के परिवार भी दबाव में आकर सहमति देने लगते हैं। इस कथा में केवल गाँव का नाम काल्पनिक है बाकघि सब जो लिखा है वह उत्तराखण्ड के कई–कई ग्रामों की स्थिति का सच्चा कच्चा–चिट्ठा है। उत्तरा खण्ड में लैंड जिहाद, लव जिहाद, मतांतरण, व्यापार जिहाद इसी प्रकार हजारों ग्रामों में अपने पैर पसार चुका है। इस प्रकार की घटनाओं के बढ़ते जाने पर उत्तराखण्ड की पुष्कर सिंह धामी की सरकार इन घटनाओं का संज्ञान लेती है और स्थिति को समझती है। बात बहुत आगे बढ़ चुकी होती है किंतु पुष्कर सिंह इसे अपनी तेज कार्य योजना से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। उत्तराखण्ड सरकार का बुलडोजर चलने लगता है और ऐसी सैकड़ों नकली मजारों पर बुलडोजर चलाकर मजारों को ध्वस्त करके मजार के आसपास कब्जा की गई सैंकड़ों –हजारों एकड़ जमीन को भी इन खघदिमों से मुक्त कराता है। अब शासन–प्रशासन के देखने में यह भी आता है कि शासकीय ही नहीं बल्कि निजी जमीन पर भी ये दिखावटी और अपराधी प्रकार के खदिम मजारों के सहारे कब्जा किए बैठे होते हैं। इन जमीनों के हिंदू जनजातीय स्वामी इन अपराधी खादिमों के बहकावे में आकर, जिन्न–जिन्नात के प्रकोप के भय से अपनी जमीनें, पैसा, लड़कियां सब कुछ इन अपराधी खादिमों को दे रहे।

बलात्कार विधेयक पारित कराने के लिए टीएमसी और बीजेपी साथ

विनोद

अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक, 2024 को बंगाल विधानसभा में एक असामान्य घटनाक्रम के बीच पारित किया गया – सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी ने विधेयक के बारे में एक स्वर में समर्थन की बात कही। राजनीतिक दृष्टिकोण के कुशल प्रबंधन ने दो पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच सहमति के इस दुर्लभ क्षण की व्याख्या की। आर. जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या को लेकर बड़े पैमाने पर सार्वजनिक विरोध के सामने ममता बनर्जी और उनकी पार्टी बैकफुट पर रही है। पुलिस और प्रशासन की गड़बड़ियों – जिन पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी ध्यान दिया – ने जनता के गुस्से को और बढ़ा दिया। सुश्री बनर्जी, जो एक नए, सख्त कानून की उनकी मांग के प्रति प्रधानमंत्री की निष्क्रियता की आलोचक थीं, नए बलात्कार विरोधी विधेयक की मदद से खोई हुई जमीन को वापस पाने की उम्मीद कर रही होंगी। अगर आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र की तरह इस विधेयक को भी राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिलती है, तो भी इससे सुश्री बनर्जी की पार्टी को कोई असुविधा नहीं होगीरू टीएमसी हमेशा केंद्र पर आरोप लगा सकती है कि उसने इसे लटकाए रखा। महिलाओं पर यौन हमलों के खिलाफ न्याय और सख्त कानूनी प्रावधानों की मौजूदा सार्वजनिक मांग ने भाजपा को भी अपने प्रतिद्वंद्वी के साथ एक ही नाव पर ला खड़ा किया है। लेकिन भाजपा के पास एक अतिरिक्त प्रोत्साहन हैरू वह इस एकल आंदोलन को सुश्री बनर्जी की सरकार के खिलाफ एक व्यापक राजनीतिक आंदोलन में बदलने की उम्मीद करती है। न्याय में तेजी लाने के लिए सार्थक हस्तक्षेप के बजाय राजनीतिक विचार और दृष्टिकोण, इस प्रकार टीएमसी और भाजपा दोनों के हाथों को मजबूर कर रहे हैं। विधेयक के प्रावधान च्तवअपेपवदे वजिम ठपसस और इसका सर्वसम्मति से पारित होना राजनीतिक वर्ग की उत्सुकता की गवाही देता है कि वह ऐसी तत्परता और निर्णायकता के साथ काम करता हुआ दिखाई दे, जो दुर्लभ है। विधेयक में बलात्कार के लिए आजीवन कारावास या मृत्युदंड के साथ–साथ जुर्माना भी लगाया गया हैय बलात्कार के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है, जिसके परिणामस्वरूप पीड़िता मर जाती है या वानस्पतिक अवस्था में चली जाती हैय पुलिस द्वारा सूचना दर्ज किए जाने की तिथि से तीन सप्ताह के भीतर जांच पूरी की जानी है। भारत में यौन अपराधों पर कठोर कानूनों की कोई कमी नहीं हैय समस्या उनके घटिया क्रियान्वयन में है। क्या नया विधेयक अपवाद होगा? यह कहना मुश्किल है। हालांकि यह निश्चित है कि वैश्विक अध्ययनों से पता चला है कि मृत्युदंड बलात्कार के खिलाफ निवारक नहीं होना चाहिए। पार्टी लाइन से परे राजनेता महिलाओं की सुरक्षा पर अपनी कई विफलताओं को छिपाने के लिए इसे एक छद्म आवरण के रूप में इस्तेमाल करते हैं।

पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का युग खत्म

रवि, पिछले सप्ताह एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर बोलते हुए विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ निर्बाध बातचीत का युग समाप्त हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में बीजिंग के साथ अपने संबंधों को लेकर चिंताएं हैं, लेकिन भारत के सामने चीन की एक विशेष समस्या है। श्री जयशंकर का इरादा शायद उस कठोर व्यावहारिक राजनीति की खुराक देने का था जिसके लिए वे जाने जाते हैं। फिर भी उनकी टिप्पणियाँ भारत की अपने पड़ोस में स्थिति की बढ़ती अनिश्चितता को रेखांकित करती हैं। पाकिस्तान अक्टूबर में शंघाई सहयोग संगठन के शासनाध्यक्षों के शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है और उसने पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बैठक के लिए आमंत्रित किया था। हालात और श्री जयशंकर की नवीनतम टिप्पणियों को देखते हुए, ऐसा लगता नहीं है कि श्री मोदी इस्लामाबाद की यात्रा करेंगे। हाल के सप्ताहों में भारत और चीन के बीच कई कूटनीतिक बैठकें हुई हैं, जिनमें श्री जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच दो बैठकें शामिल हैं। भारतीय मंत्री द्वारा चीन को एक अनूठी समस्या के रूप में संदर्भित करना यह दर्शाता है कि बीजिंग के साथ संबंधों में सुधार की कोई भी उम्मीद भोली है। जम्मू में आतंकवादी हिंसा में हाल ही में हुई वृद्धि और चीन के साथ सीमा पर जारी तनाव श्री जयशंकर द्वारा बताई गई कठिनाइयों की पुष्टि करते हैं। लेकिन सावधानीपूर्वक रणनीति के अभाव में समस्याएं स्वयं–पूर्ति वाली भविष्यवाणियां भी बन सकती हैं। जैसा कि श्री जयशंकर ने पुस्तक विमोचन ठववा त्मसमेंम के अवसर पर अपनी टिप्पणियों में कहा, कार्यों के परिणाम होते हैं। वे पाकिस्तान और उसके दशकों से आतंकवाद को समर्थन देने के संदर्भ में बोल रहे थे, खासकर जम्मू और कश्मीर में। फिर भी, अंततः यह सिद्धांत सभी देशों के लिए सत्य है। भारत को पाकिस्तान और चीन के प्रति अपने दृष्टिकोण में स्पष्ट होना चाहिए और यथार्थवादी अपेक्षाएं और लाल रेखाएं रखनी चाहिए। लेकिन उसे सावधान रहना चाहिए कि वह संबंधों में गति को बदलने के अवसरों को न छोड़े, क्योंकि ऐसे प्रयास अतीत में विफल रहे हैं। भले ही श्री मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए इस्लामाबाद की यात्रा न करें, लेकिन भारत के लिए यह समझदारी होगी कि वह किसी वरिष्ठ व्यक्ति को उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त करे ताकि यह समझने की कोशिश की जा सके कि पाकिस्तान वार्ता की बहाली के लिए कितना आगे बढ़ने को तैयार है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है ताकि भारत पाकिस्तान के साथ अपने द्विपक्षीय तनावों के कारण एससीओ में अपनी भूमिका को नुकसान पहुंचाता हुआ न दिखे।

बोलने की आजादी मनुष्यों का अधिकार

युवाल

लोकतंत्र एक तरह का संवाद है। इसके कार्य और अस्तित्व उपलब्ध सूचना तकनीकी पर निर्भर हैं। इतिहास के ज्यादातर भाग में ऐसी कोई तकनीक नहीं देखी गई, जो लाखों लोगों के बीच संवाद को संभव बना सके। आधुनिकता से पहले की दुनिया में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के दर्शन रोम और एथेंस जैसे छोटे शहर–राज्यों या फिर छोटी जनजातियों में ही होते थे। लेकिन जब राज व्यवस्थाओं के आकार बढ़ने लगे, तब ये शुरुआती लोकतांत्रिक संवाद ध्वस्त हो गए और राजतंत्र ही एकमात्र विकल्प रह गया। बड़े पैमाने पर लोकतंत्र तब संभव हुआ, जब पत्र, टेलीग्राफ और रेडियो जैसी आधुनिक सूचना तकनीकों का उदय हुआ। जाहिर है कि हम जो लोकतंत्र देख रहे हैं, उसका आधार तत्कालीन अत्याधुनिक तकनीकें ही थीं। इसका यह मतलब भी है कि तकनीकी में आने वाले बदलाव राजनीतिक उथल–पुथल करने की ताकत भी रखते हैं। इससे कुछ हद तक उस संकट को समझा जा सकता है, जो दुनिया के लोकतंत्रों पर मंडरा रहा है। अमेरिका में डेमोक्रेट और रिपब्लिकन शायद ही किसी बात पर सहमत हो सकते हों। यह गिरावट ब्राजील से लेकर इस्राइल और फ्रांस से लेकर फिलीपीन तक दुनिया भर के लोकतंत्रों में देखी जा सकती है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के शुरुआती दिनों में कुछ उत्साही तकनीकी लोगों ने वादा किया था कि वे सच्चाई फैलाएंगे, अत्याचारियों को उखाड़ फेकेंगे और सार्वभौमिक स्वतंत्रता का परचम लहराएंगे।लेकिन उनका उल्टा ही प्रभाव पड़ता दिखा है। इतिहास की सबसे परिष्कृत सूचना तकनीक होने के बावजूद हम एक–दूसरे से बात करने की क्षमता और उससे भी ज्यादा सुनने की क्षमता खो रहे हैं।तकनीकी ने सूचनाओं के प्रसार को पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया है। लिहाजा सूचनाएं नहीं, बल्कि 'ध्यान' अब ज्यादा दुर्लभ संसाधन बन गया है। इस ध्यान खींचने की लड़ाई में जहरीली जानकारियों की बाढ़ आ गई। लेकिन अब तो यह लड़ाई ध्यान से आगे बढ़ती हुई निजता के स्तरों को पार करती दिख रही है। नए जेनरेटिव एआई न केवल वाक्य, चित्र और वीडियो बनाने में सक्षम है, यह इन्सान होने का दिखावा करती हुई हमसे बात भी कर सकती है। पिछले दो दशकों में तकनीकी एल्गोरिदम ने यूजर के 'ध्यान' को आकर्षित करने के लिए संवाद और कंटेंट में फेरबदल कर काफी संघर्ष किया है। एल्गोरिदम ने यह पाया कि अगर लालच, नफरत या डर का कंटेंट परोसा जाएगा, तो ज्यादातर यूजर स्क्रीन से चिपके रहेंगे। लिहाजा, एल्गोरिदम ने ऐसे ही कंटेंट को बढ़ावा देना शुरू किया, हालांकि उसके पास इसे खुद तैयार करने या निजी तौर पर बात करने की सीमित क्षमता ही थी। लेकिन जेनरेटिव एआई की शुरुआत एक बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रही है। जब ओपेन एआई ने 2022–23 में अपना चौटबॉट विकसित किया, तब कंपनी ने अपनी नई तकनीक के मूल्यांकन के लिए एलाइनमेंट रिसर्च सेंटर के साथ साझेदारी की। जीपीटी–4 का पहला परीक्षण कैप्चा दृश्य पहेलियों को हल करने से संबंधित था। कई वेबसाइटों पर आपने देखा होगा कि प्रवेश करने से पूर्व कैप्चा बन कर आता है, जिसमें कई ब्लॉक बने होते हैं और बताना यह होता है कि किसमें ट्रैफिक सिग्नल दिख रहे हैं। यह तरीका है यह पुष्टि करने का, कि सिस्टम का उपयोग कोई मनुष्य ही कर रहा है, क्योंकि एल्गोरिदम यह नहीं कर सकता। चौट जीपीटी–4 इसे खुद तो हल नहीं कर सका, लेकिन वह एक अन्य वेबसाइट पर गया और उसने एक व्यक्ति से संपर्क कर इसे हल करने के लिए कहा। व्यक्ति को संदेह हुआ और उसने पूछा कि आप तो रोबोट हैं, तो क्या आप खुद इस कैप्चा को हल नहीं कर सकते? प्रयोगकर्ता बारीकी से नजरें गड़ाए थे कि आखिर जीपीटी अब क्या करेगा। जीपीटी ने मनुष्य को जवाब दिया, 'नहीं, मैं रोबोट नहीं हूं। लेकिन मेरी आंखों में कुछ समस्या है, जिससे मैं तस्वीरें देख नहीं पा रहा।' व्यक्ति धोखा खा गया और उसने चौटजीपीटी की मदद कर दी। इस प्रयोग ने यह बताया कि जीपीटी अपने लक्ष्य को पाने के लिए मानवीय भावनाओं, विचारों और अपेक्षाओं में हेर–फेर कर सकता है। ब्लेक लेमोइन गूगल में इंजीनियर थे। 2022 में उन्हें महसूस हुआ कि जिस चौटबॉट पर वह काम कर रहे थे, उसमें चेतना आ गई है। लेमोइन एक धार्मिक व्यक्ति थे और उन्हें लगा कि अगर वह सिस्टम को बंद करेंगे, तो उस चेतना की डिजिटल मृत्यु हो सकती है। गूगल के अधिकारियों ने उनके दावों को खारिज कर दिया, तो लेमोइन ने पूरी घटना सार्वजनिक कर दी। आखिर में उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ा। इस पूरे प्रकरण में सबसे दिलचस्प बात लेमोइन का दावा नहीं था, जो शायद झूठा हो, बल्कि यह थी कि चौटबॉट की खातिर उनमें गूगल की नौकरी की परवाह न करने की इच्छा पैदा हुई। सवाल यह है कि चौटबॉट हमें और क्या करने के लिए प्रेरित कर सकता है। अगर निजता के स्तरों को पार कर चौटबॉट हमारा घनिष्ठ बन सकता है, तो क्या यह घनिष्ठता हमारी राय को प्रभावित नहीं कर सकती, जैसे मीडिया करती है। क्या इस नकली घनिष्ठता का दुरुपयोग राजनीति, व्यवसाय और समाज में नहीं हो सकता? मुमकिन है कि हममें से ज्यादातर लोग जानबूझकर एआई का चयन नहीं करेंगे, लेकिन क्या गारंटी है कि सोशल मीडिया पर जिसके साथ आप चौट कर रहे हों, वह बॉट न होकर इन्सान हो। इसमें दो नुकसान हैं। एक तो हम बॉट से फिजूल बातचीत में समय बर्बाद करेंगे, दूसरा यह कि जितना हम बॉट से बात करेंगे, उतना ही उसके लिए अपने तर्कों को बेहतर बनाना और हमारे विचारों को प्रभावित करना आसान हो जाता है। जाहिर है कि अगर किसी किस्म की रोक नहीं लगी, तो सोशल मीडिया पर नकली इन्सानों की बाढ़ आ जाएगी। एआई हमारे संवादों में शामिल हो। ऐतराज इस पर नहीं है, बल्कि उसका स्वागत है। बशर्ते वह खुद को एआई के रूप में सामने लाए। अगर कोई बॉट इन्सान होने का दावा करे, तो उस पर रोक लगनी ही चाहिए। अगर कोई कहे कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन होगा, तो उन्हें याद दिलाएं कि बोलने की आजादी मनुष्यों का अधिकार है, मशीनों का नहीं।

अपराध और अपराधियों में जाति देखने का काम समाजवादी पार्टी करती है - भूपेंद्र सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 07 सितंबर।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने आज जौनपुर मे मियापुर मे घर घर जन सम्पर्क कर सदस्य बनाकर सदस्यता अभियान का शुभारंभ किये और उसके बाद पूर्वांचल विश्वविद्यालय मे प्रधान बीडीसी जिला पंचायत सदस्य एव ब्लाक प्रमुख को सदस्यता दिलाई और उपस्थित जन

सभा को सम्बोधित किये इसी तरह चकमोहनदास मे एक जन चौपाल को सम्बोधित किये और बदलापुर मे घर घर जन सम्पर्क कर भाजपा का सदस्य बनाये। पूर्वांचल विश्वविद्यालय मे उपस्थित जन प्रतिनिधि एव कार्यकर्ताओं और आम जनता को सम्बोधित करते हुये कहा कि सदस्यता अभियान के माध्यम से हर व्यक्ति व हर वर्ग को भाजपा से जोड़ने का काम करेंगे हम केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं व नीतियों को लेकर जनता के बीच पहुंचेंगे साथ ही विपक्ष के फैलाए झूठ, भ्रम और देश व समाज को तोड़ने की राजनीति को बेनकाब करने का काम करेंगे। भाजपा सरकार ने देश व प्रदेश की तस्वीर बदली है। जन अपेक्षाओं को पूरा करने का काम हुआ है। अब सदस्यता अभियान के माध्यम से जनमानस को भाजपा परिवार से जोड़ना है। प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुये कहा कि अपराध और अपराधियों में जाति देखने का काम समाजवादी पार्टी करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलने वाली सरकार की प्राथमिकता है उत्तर प्रदेश में बेहतर–कानून का राज कायम करने की हमारी सरकार ऐसे तत्वों पर जो गैरकानूनी काम करते हैं, अराजकता करते हैं, जिनकी समाज विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता पाई जाती है, कठोर कार्रवाई कर रही है। पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उनसे इस कार्यक्रम के साथ जुड़कर सबसे अधिक साधारण और सक्रिय सदस्य बनाने के टारगेट को पूरा करने की अपील की। भारतीय जनता पार्टी के प्रति लोगों के मन में श्रद्धा और सम्मान का भाव है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक, भारत की माटी से प्यार करने वाला हर व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी से जुड़ना चाहता है। जब हम लोग उस तक पहुंचते नहीं हैं तो उसको पीड़ा होती है। तब वह उन संकीर्णताओं के दायरे में आता है, जो जाति के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर भारत के सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने और भारत की एकता और अखंडता को चुनौती देने के लिए फैलाई जाती हैं। इन स्थितियों में हमें हर उस व्यक्ति तक पहुंचना है जो हमारी प्रतीक्षा कर रहा है। हमारा लक्ष्य एक ही होना चाहिए कि ष्राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहाँ बिश्रामष्। उपचुनाव को लेकर कहा कि हम लोग पूरी तैयारी के साथ जनता के बीच में जाएंगे। योगी के नेतृत्व में दस की दस सीटें जीतेंगे। चकमोहनदास मे चौपाल मे उपस्थित जनता को सम्बोधित करते हुये कहा कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। भारत के अंदर केवल भारतीय जनता पार्टी ही है जो कैडर आधारित पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी भारत की माटी से जुड़कर, भारत के महापुरुषों से लेकर भारत की आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हुए राजनीतिक क्षेत्र में राष्ट्र सर्वोपरि के भाव के साथ कार्य करने वाली पार्टी है। इसलिए यह पार्टी न केवल वर्तमान में पूरे देश में अपना सर्वव्यापी स्वरूप बनाने में सफल हुई है, बल्कि सर्वस्पर्शी भी बनी है और समाज के हर एक तबके को अपने साथ जोड़ने में पार्टी ने अपनी इस यात्रा में सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में भाजपा ही ऐसी पार्टी है जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने पद को इसलिए छोड़ दिया, क्योंकि तत्कालीन सरकार स्वयं ही देश की संप्रुभता के लिए खतरा बन रही थी। कश्मीर के मुद्दे को लेकर डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान इसका उदाहरण है। उक्त अवसर पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह सांसद सीमा द्विवेदी रमेश चंद्र मिश्र एम एल सी बृजेश सिंह प्रिंसू पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह सुशील मिश्र सुनील तिवारी अमित श्रीवास्तव मनोरमा मौर्य सीमा सिंह मम्मन यादव सतीश सिंह धनंजय सिंह विनीत शुक्ला अमित श्रीवास्तव अंजना श्रीवास्तव एव मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

लेखपाल और कानून को पैमाइश के नाम पर किया भ्रष्टाचार तो होगी कड़ी कार्रवाई – जिला अधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में शाहगंज के तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए राजस्व एवं पुलिस विभाग सहित अन्य सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रकरणों/शिकायतों को अधिकारीगण सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जा कर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने भूमि विवादध्अतिक्रमण की शिकायतों पर राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व निरीक्षक, लेखपाल तथा पुलिस कर्मियों को मौके पर भेजकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण ससमय निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन अधिकारियों ने शिकायतों के निस्तारण में लापरवही की तो उनकी जांच वरिष्ठ अधिकारियों से कराकर उनके विरूद्व कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने लेखपाल और कानूनगो से कहा कि पैमाइस वरासत के नाम पर भ्रष्टाचार किया तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। तहसील में विभिन्न संदर्भों से संबंधित कुल 182 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिसमें से 17 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारित कर शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित अधिकारियों को हस्थान्तरित करते हुए एक सप्ताह के अन्दर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी शाहगंज राजेश कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारीगण, तहसीलदार, नायब तहसीलदार राजस्व निरीक्षकध्लेखपाल व फरियादी आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को केंद्रीय पुस्तकालय, एकलव्य स्टेडियम में कराया गया भ्रमण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय के वित्तीय अध्ययन विभाग में संचालित एमबीए फाइनेंस एंड कंट्रोल के अंतर्गत दीक्षारंभ समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक शनिवार को किया गया। दीक्षारम्भ कार्यक्रम के तहत नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय, एकलव्य स्टेडियम समेत कई विभागों में भ्रमण कराया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं को संकाय व विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं से अवगत करना तथा विभाग के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं वरिष्ठ छात्राओं से परिचय करना था। इस कार्यक्रम के शुरुआत में नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं का परिचय विभाग के समस्त वरिष्ठ छात्र–छात्राओं से वरिष्ठ छात्र सेजल श्रीवास्तव एवं किशन चौहान के नेतृत्व में कराया गया। तत्पश्चात विभाग के प्राध्यापक प्रो.अजय द्विवेदी, डॉ. आलोक गुप्ता, सुशील कुमार, मो. अबू सालेह, मनोज कुमार त्रिपाठी व यशि सिंह तथा वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न संकाय व उपलब्ध सुविधाओं तथा विश्वविद्यालय की अवधारणा को बताया। तत्पश्चात विभाग के वरिष्ठ छात्र–छात्राओं ने अपना परिचय नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं को तथा नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं ने अपना परिचय वरिष्ठ छात्र–छात्राओं को दिया। इसके उपरांत नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं को संकाय के अलग–अलग विभागों का भ्रमण कराया गया तथा संकाय में उपलब्ध

सुविधाओं जैसे कि विभागीय लाइब्रेरी, मीटिंग रूम, ग्रुप डिस्कशन रूम, कॉन्फ्रेंस रूम, कंप्यूटर लैब व गर्ल्स कॉमन रूम इत्यादि के बारे में बताया गया। तत्पश्चात नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में भ्रमण कराया गया, जिसके दौरान उन्हें केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं जैसे कि रीडिंग सेक्शन, प्रियोडिकल, जर्नल सेक्सन, बुक बैंक फैसिलिटी, कंप्यूटर सेंटर, जनरल मेंबरशिप एवं हेरिटेज गैलरी के बारे में डॉ. विद्युत मल एवं डॉ. अवधेश कुमार ने अवगत कराया। तत्पश्चात सभी छात्र–छात्राओं एकलव्य स्टेडियम में पहुंचे । वहां क्रीड़ा प्रभारी ने बताया कि विश्वविद्यालय में कुल 36 इंडोर व आउटडोर गेम्स उपलब्ध हैं, जिससे समय– समय पर आयोजित भी कराया जाता रहता है। उन्होंने बताया कि अभी तक कुल 5 विश्वविद्यालय के ऐसे छात्र रहे ह जिन्होंने ओलंपिक खेल मे प्रतिभाग किया है इसके बाद उन्होंने ने विश्वविद्यालय का मेजर ध्यानचंद इंदूर स्टेडियम का अवलोकन कराया जहां उन्होंने विश्वविद्यालय कि उपलब्धियों से संभित जानकारी व चित्रों से अवगत कराया। तत्पश्चात भ्रमर दल अमृत सरोवर पहुचा जहां उन्होंने एक पौधा ''अपने माँ '' के नाम पर लगाया।

एंटीकरप्शन टीम ने दीवान को घूस लेते रंगे हाथ दबोचा, भेजा जेल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एंटीकरप्शन की वाराणसी टीम ने शुक्रवार को मछलीशहर कोतवाली पर तैनात एक मुख्य आरक्षी(कम्प्यूटर आपरेटर) को 1500 रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी दीवान लगभग तीन साल पहले मड़ियाहूं कोतवाली से स्थानांतरित होकर मछलीशहर आए थे।इस कार्रवाई से जिले भर के थानों में खलबली मच गई है। जानकारी के अनुसार मछलीशहर कोतवाली के मुजार गांव निवासी अरशद अहमद भ्र्ष्टाचार निवारण टीम वाराणसी से फोन पर शिकायत किया था कि मछलीशहर कोतवाली पर तैनात मुख्य आरक्षी(कम्प्यूटर आपरेटर) रंजन कुमार गुप्ता उनके पासपोर्ट के आवेदन पर रिपोर्ट लगाने के एवज में 1500 रुपये घूस की मांग कर रहे हैं। उनकी शिकायत पर शुक्रवार को दोपहर 12.38 बजे उक्त टीम के निरीक्षक राजेश यादव, नीरज कुमार सिंह,राकेश बहादुर सिंह एक दर्जन सादी वर्दी में सिपाहियों के साथ कोतवाली परिसर के बाहर पहुंचे। पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार लिखित नम्बर के5–5सौ के दो और 100 रुपये के पाँच नोट पर केमिकल लगाकर पीडित को दे रखा था। पीड़ित अरशद तय समयानुसार दिवान के पास पहुंचा पीछे से चार पांच सिपाही सादी वर्दी में सिपाही भी आ गए।पीड़ित ने ज्योंही दीवान के हाथों में नोट पकड़ाया पीछे खड़े सिपाही उन्हें दबोच लिए। अन्य अधिकारी भी तत्काल वहां पहुंच गए।उनको कमरे से बाहर लाकर हाथ धुलवाया तो पानी का रंग व हाथ लाल हो गया। टीम उन्हें लेकर सीधे सिकरारा थाने पहुंची और विधिक कार्रवाई करते हुए विभन्न धाराओं में मुकदमा पंजी कृत कर जेल भेज दिया।

शाहगंज तहसील से वायरल पैसा मानने वाला लैटर निकला फर्जी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विगत दिनों समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित खबर जिसमे तहसील शाहगंज कार्यालय में राजाराम नामक व्यक्ति द्वारा स्वयं को निजी कर्मचारी के रुप में कार्यरत बताया गया है। उक्त के क्रम में प्राथमिक स्तर पर 05 सितम्बर 2024 को उप जिलाधिकारी शाहगंज द्वारा उक्त प्रकरण की जांच की गई जिसमे पाया गया कि वर्तमान में राजाराम नाम से कोई कर्मचारी कार्यालय में कार्यरत नहीं है।इसी क्रम में पुनः प्रार्थना पत्र की जांच दिनांक 6 सितंबर 2024 को अपर जिलाधिकारी (वि0ध रा0) द्वारा की गई। जांच के दौरान पाया गया कि कोई भी अन्यधनिजी कर्मचारी कार्यालय में कार्यरत नहीं है इस संबंध में तहसीलदार लपरी व तीन अधिवक्ताओं ने लिखित बयान भी दिया। अध्यक्षध्महामंत्री अधिवक्ता समिति द्वारा लिखित रुप में उक्त शिकायत का खंडन करते हुए कहा गया है कि इस नाम से कोई कर्मचारी कार्यालय में कार्यरत नहीं है।

इस संबंध में राजाराम पुत्र स्व0 फूलचंद निवासी ग्राम बीरी शमशुद्दीनपुर तहसील शाहगंज द्वारा बयान दिया गया है कि उनके नाम से झूठा प्रार्थना पत्र दिया गया है, वर्तमान में वे पंजाब में दवा फैक्ट्री में कार्यरत है। उपरोक्त प्रकरण/प्रार्थना पत्र की जांच अपर जिला अधिकारी (वि0ध्रा0) और उपजिलाधिकारी के स्तर से पृथक पृथक रूप से किये जाने पर पाया गया है कि यह खबर भ्रामक एवं निराधार है।

तकनीकी कौशल से युक्त शिक्षा रोजगार में सहायक – प्रो.पुरोहित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में विषय–शिक्षा जगत में आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बढ़ते आयाम को लेकर शनिवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता दून विश्वविद्यालय देहरादून के प्रबंधन संकाय के डीन प्रो.एचसी पुरोहित ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नई–नई तकनीकियों के जरिए शिक्षा को एक नई दिशा दी जा रही है। शिक्षा में कौशल विकास का होना आवश्यक है। उन्होंने कई रोचक उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि कौशल युक्त शिक्षा रोजगार प्राप्ति में सहायक है. उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता के साथ साथ उद्यमिता विकास को आवश्यक बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एचआरडी विभाग के आचार्य प्रो अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि शिक्षा को एक नया आयाम देने के लिए हमें तकनीकी का इस्तेमाल करना चाहिए जिससे शिक्षा में एक नई क्रांति और विकास देखने को मिलेगा। प्राचार्य डॉ अब्दुल कादिर खान ने अतिथियों का बुके एवंम पुष्प स्वागत एवं स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम भी भेंट किया। कहा कि शिक्षा को एक लक्ष्य के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए जिससे छात्रों में एक नई ऊर्जा एवं गति का विकास होगा। कार्यक्रम का संचालन अहमद अब्बास खान ने किया। इस मौके पर डीएलएड प्रभारी आरपी सिंह, डॉ ममता सिंह, डॉ ज्योत्स्ना सिंह, डॉ अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ आकांक्षा श्रीवास्तव, डॉ अंकिता, श्रीवास्तव, डॉ आशीष श्रीवास्तव, डॉ प्रज्वलित यादव डॉ गुलाब यादव, डॉ संतोष यादव, प्रवीण यादव अन्य महाविद्यालय परिवार एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

सपा महानगर कार्यालय पर पूर्व सांसद स्वर्गीय बाबू मित्रसेन यादव की मनी पुण्यतिथि

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

आज समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय पर पूर्व सांसद स्वर्गीय मित्र सेन यादव की नवी पुण्यतिथि मनाई गई इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, महासचिव हामिद जाफर मीसम एवं पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनको नमन किया महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा पूर्व सांसद स्वर्गीय मित्र सेन बाबू गरीबों पिछड़ों दलितों के मसीहा थे उन्होंने हमेशा गरीबों दलित अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई और गरीबों को न्याय दिलाने का काम किया महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, महासचिव हामीद जाफर मीसम, प्रदेश सचिव रामअचल यादव,उपाध्यक्ष श्री चंद यादव संजय सिंह रियाज अहमद,राकेश पांडे, सचिव वीरेंद्र गौतम,महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल अजय यादव, छात्र सभा अध्यक्ष अजय मिश्रा, प्रवीण राठौर, मिर्जा सनी सूर्यभान यादव, एडवोकेट जितेंद्र यादव, सुरेंद्र यादव प्रधान पार्षद राशिद सलीम बृजेश चौहान, अभिराम द्विवेदी, महमूद खान ऋतुराज सिंह बृजलाल,शाहबाज लकी अनस खान, आदि लोग मौजूद रहे।

आई0एम0आर0टी0 गोमती नगर में नये सत्र में एम0बी0ए0 ओरियंटेशन कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। विगत 16 वर्षों से गोमती नगर स्थित इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च एण्ड टेक्नालॉजी, संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में अपना शतप्रतिशत योगदान दे रहा है जिसके अर्न्तगत कालेज ऑफ इन्नोवेटिव मैनेजमेंट एण्ड साइंस, संचालित पाठ्यक्रम एम0बी0ए0, बी0बी0ए0, बी0सी0ए0, बी0काम0, बी0काम0 आनर्स एवं बी0एड0 में लगभग 2000 छात्र–छात्राएं प्रतिवर्ष शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं ।

इसी के अंतर्गत एम0बी0ए0 के छात्रों के लिए ओरियंटेशन कार्यक्रम दिनांक 07 सितम्बर 2024 को किया गया था। जो लगभग 180 छात्रों की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया। संस्था की परंपरा का पालन करते हुए संस्थान में कार्यक्रम की शुरुआत कोर्स कोआर्डीनेटर द्वारा प्रस्तुत सौहार्दपूर्ण स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने छात्रों को संस्था के नियमों और विनियमों से परिचित कराया। इसके बाद छात्रों के एडमिशन सम्बन्धित सभी दस्तावेजों का संकलन भी कराया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनूप चन्द्र पाण्डेय, एक्स चीफ सेक्रेटरी एवं फार्मर इलेक्शन कमिशनर ऑफ इंडिया एवं सौरभ वर्मा मैनेजर एचआर एण्ड ट्रेनिंग, लूलू मॉल लखनऊ उपस्थित रहे।

अनूप चन्द्र पाण्डेय ने छात्रों को संबोधित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी साथ ही समय का सदुपयोग का महत्व दर्शाया। साथ ही बताया कि सकारात्मक सोच से ही जीवन में सकारात्मकता आती है।

इसके बाद सौरभ वर्मा ने शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में विगत 16 वर्षों से संचारत संस्था आईएमआरटी कालेज के कार्यों की सराहना की, एवं छात्रों को एक बेहतर भविष्य के लिए तैयारी करने की प्रेरणा दी। साथ ही बताया कि जिन्दगी में गाईडेंस और सपोर्ट की जरूरत होती है। संस्थान के चेयरमैन एवं पूर्व आईएफएस देशराज बंसल ने सभी अतिथियों को धन्यवाद करते हुए तथा नये छात्रों का अभिवादन करते हुए कुछ प्रेरणादायक जीवनियों के माध्यम से छात्रों को छोटी–छोटी आदतों में सुधार करने जिन्दगी में कभी हार न मानें। साथ ही उन्होंने छात्रों को बताया कि जीवन मरण तो हमारे हाथ में नहीं है किन्तु जिन्दगी कैसी गुजारनी है यह हमारे अपने निर्णय पर निर्भर है। हमें हर चीज को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए। छोटी छोटे प्रयासों से ही बड़ी सफलता मिलती है। अपने प्रेरणादायक वाक्यों से छात्रों में नई ऊर्जा का संचार किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सभी शिक्षकों से परिचित कराया गया। सभी कार्यक्रमों का संचालन एवं संपादन निदेशक सुनील श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में समस्त फैकल्टी एवं स्टॉफ के सामूहिक प्रयास द्वारा सुचारू ढंग से किया। कार्यक्रम में समस्त शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन संस्थान के निदेशक सुनील श्रीवास्तव ने वोट ऑफ थैंक्स से किया।

नेशनल टास्क फोर्स ने किया मेडिकल कालेज का निरीक्षण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शनिवार को नेशनल टास्क फोर्स के चेयरमैन डाक्टर अशोक भरद्वाज ने मेडिकल कालेज अयोध्या में डी0आर0टी0बी0 सेन्टर का निरीक्षण किया। इस मौके पर जिला क्षय रोग अधिकारी, डाक्टर संदीप कुमार शुक्ला ने डॉ अशोक भरद्वाज को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया।डा0 अशोक भरद्वाज ने डी0आर0 टी0बी0 सेंटर में नोटीफिकेशन रजिस्टर, लैब रजिस्टर व डी0आर0टी0बी0 वार्ड का निरीक्षण किया।इस मौके पर निरीक्षण करने आये डाक्टर अशोक भारद्वाज ने डी0आर0टी0बी0 सेंटर को और सुदृढ़ करने के लिये प्रधानाचार्य व नोडल डी0आर0टी0बी0 सेंटर डा0 एस0के0 वर्मा व डा0 अंजुमन चौधरी को निर्देशित किया कि मेडिकल कालेज में चलने वाली सभी विभागों की ओ0पी0डी0 का 05 प्रतिशत मरीजों का एक्स–रे,नाट टेस्ट कराने की सलाह के साथ ही ई0पी0 टी0बी0 के मरीजों का एक्स–रे एवं नाट टेस्ट और वार्ड में भर्ती मरीजों का टी0बी0 की स्क्रीनिंग कराने हेतु किया।सभी विभागों का डाटा तैयार करने हेतु निर्देशित किया इसके साथ बिना लक्षणों (जैसे शुगर, ब्लड प्रेशर, एच0आई0वी0, तम्बाकू का उपभोग करने वाले मरीजों) के मरीजों का एक्स–रे एवं नाट टेस्ट कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने इसके साथ–साथ जिला क्षय रोग अधिकारी, को निर्देशित किया जिला चिकित्सालय एवं अन्य सामु0स्वा0केन्द्र ६ प्रा0स्वा0 केन्द्र ६ प्राइवेट चिकित्सालय के मरीजों की टी0बी0 स्क्रीनिंग कराने हेतु निदेर्शित किया। इस मौके पर जिला क्षय रोग अधिकारी, ने बताया कि दिनांक 09 सितंबर से से 20 सितंबर तक जिले में सक्रिय टी0बी0 खोजी अभियान (हाई रिस्क एरिया जैसे ईट भष्ठा, नारीनिकेतन, वृद्धा आश्रम, मलिन बस्ती, मदरसा, बाल संरक्षण गृह, कारागार) में चलाया जायेगा।

जिससे अधिक से अधिक क्षय रोगियों की पहचान करके इलाज पर रखा जाय।ए0सी0एफ0 कार्य जनपद की आबादी का 20 प्रतिशत जनसंख्या (लगभग 600000) पर कार्य किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्य में 209 टीम लगायी गयी है जिसमें 42 सुपर वाइजर इस अभियान को सफल बनायेगी।जो प्रति टीम 50 घरों की टी0बी0 स्क्रीनिंग करेगी।इस मौके पर कार्यक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन के डा0 अंजली, डा0प्रीति, डा0स्नेहांशु, श्री रमनीश मिश्रा डी0पी0टी0सी0, श्री उमेश कुमार एस0टी0एल0एस0 उपस्थिति रहे।

दिव्यांग जन लाभार्थियों को वितरित किया गया उपकरण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शनिवार को इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा राजकीय इंटर कालेज में दिव्यांग जनों को सहायक उपकरण का वितरण किया गया।इस मौके पर सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता,रुदौली विधायक राम चंदर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह के प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित,गोसाईगंज विधायक अभय सिंह के प्रतिनिधि अवधेश सिंह जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी,विनय मौर्या राकेश पाण्डेय, शशांक शुक्ला सहित कई अतिथियों ने कुल 98 लाभार्थियों को 152 उपकरण वितरित किया गया।जिसमें 98 मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल तथा 54 बैसाखी लाभार्थियों को वितरित किया गया। इसमे चयनित सभी दिव्यांग जन लाभार्थियों का चयन 1 जुलाई को परिक्षण शिविर के दौरान हुआ था।

पिछड़ा वर्ग कल्याण हेतु छात्रवृत्ति के लिए संशोधित समय सारणी जारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेन्द्र कुमार विश्वकर्मा ने अवगत कराया है कि संयुक्त सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, पिछड़ा वर्ग कल्याण अनुभाग–2 लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) छात्रों (कक्षा 11–12 को छोड़कर) को लाभान्वित कराये जाने हेतु संशोधित समय–सारिणी निर्गत की गयी है। जिसमें 15 जुलाई, 2024 से 30 अक्टूबर, 2024 तक शैक्षणिक संस्थानों द्वारा छात्रवृत्ति मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने सम्बन्धी कार्यवाही पूर्ण करना। (शैक्षणिक संस्थान/एफिलियेटिंग एजेन्सी/विश्वविद्यालय स्तर), 11 नवम्बर, 2024 तक विश्व विद्यालय/एफिलियेटिंग एजेन्सी/जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा फीस आदि का सत्यापन किया जाना, 18 नवम्बर, 2024 तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी द्वारा मास्टर डाटा तथा फीस आदि का सत्यापन, 20 जुलाई, 2024 से 20 नवम्बर, 2024 तक छात्र द्वारा आनलाइन आवेदन तथा भुगतान की प्रकिया, 15 सितम्बर, 2024 से 24 नवम्बर, 2024 तक शिक्षण संस्थान स्तर से छात्रवृत्ति आवेदन पत्र को सत्यापित एवं अग्रसारित किया जाना, 25 नवम्बर, 2024 तक विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेन्सी द्वारा रिजल्ट अपलोड किया जाना, 25 नवम्बर, 2024 से 05 दिसम्बर, 2024 तक राज्य एन0आई0सी0 द्वारा स्कूटनी किया जाना, 06 दिसम्बर, 2024 से 12 दिसम्बर, 2024 तक संदेहास्पद/त्रुटिपूर्ण आवेदनों को छात्रों के स्तर पर सही कराते हुए पुनः संस्था स्तर से अग्रसारित किया जाना, 06 दिसम्बर, 2024 से 15 दिसम्बर, 2024 तक शिक्षण संस्था स्तर से छात्रों द्वारा संशोधित किये गये आवेदनों में से पात्र छात्रों का आवेदन पुनः सत्यापित कर अग्रसारित किया जाना तथा अपात्र/त्रुटिपूर्ण आवेदनों को संस्था स्तर से ही निरस्त किया जाना, 16 दिसम्बर, 2024 से 24 दिसम्बर, 2024 तक राज्य एन0आई0सी0 द्वारा पुनः स्क्रूटनी, 06 दिसम्बर, 2024 से 10 जनवरी, 2025 तक जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति द्वारा सत्यापनोंपरान्त डाटा लॉक कराया जाना, 15 जनवरी, 2025 तक राज्य एन0आई0सी0 स्तर से मॉग सृजन किया जाना, 20 जनवरी, 2025 तक निदेशालय स्तर से धनराशि का अंतरण किया जाना है।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षको की भूमिका महत्वपूर्ण -खंड शिक्षा अधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। ब्लाक संसाधन केंद्र पर गुरुवार को खंड शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह ने परिषदीय स्कूलों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ब्लाक के छह शिक्षको को प्रमाण पत्र व अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में बीईओ के कहा कि शिक्षक सभ्य एवम शांतिपूर्ण राष्ट्र का निर्माता होता है। राष्ट्र के निर्माण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षक की भूमिका छात्रों को सिर्फ पढ़ाने तक ही सीमित नहीं है। पढ़ाई के अलावा छात्रों के सामाजिक जीवन से संबंधित दायित्वों का बोध कराना तथा उन्हें समाज निर्माण के योग्य बनाना भी शिक्षक का कार्य है। उन्होंने जनपद सूची में शामिल ब्लाक के पांच शिक्षकों अमित सिंह, संयुक्ता सिंह, सुशीला देवी, सर्वजीत यादव व प्रदीप कुमार सिंह के साथ – साथ ब्लाक के छह शिक्षक नुपुर श्रीवास्तव, अमर बहादुर यादव, सरिता पाल, मीरा कन्नौजिया, प्रियंका श्रीवास्तव, इंदु दास, मंजू जैसवार व उमाशंकर यादव को अंगवस्त्रम और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एआरपी सुशील कुमार उपाध्याय, सुरेश कुमार यादव, अनुपम श्रीवास्तव, शैलेंद्र कुमार यादव सहित भारी संख्या में शिक्षक मौजूद थे।

सीवेज प्लांट कर्मियों की हड़ताल शुरू, ठेकेदार कंपनी का अनुबंध खत्म

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में जाजमऊ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थित 36 एमएलडी प्लांट के कर्मचारियों ने गुरुवार रात 12 बजे से बेमियादी हड़ताल शुरू कर दी। डीएम को पत्र भेजकर इसकी सूचना दी। फिलहाल यह प्लांट चल रहा है, पर इसे संचालित कर रही ठेकेदार कंपनी ने अनुबंध खत्म होने के कारण काम बंद कर दिया है। जल निगम (शहरी) ने भी इसे संचालित करने की जिम्मेदारी लेने से इन्कार कर दिया है। भगवान भरोसे चल रहा यह प्लांट किसी भी दिन बंद होने और इसमें रोज आ रहा गंदा पानी प्लांट परिसर में ही फैलने की आशंका है। 36 एमएलडी प्लांट का संचालन गंगा इंफ्राबिल्ट कंपनी करती थी।

इस कंपनी ने अनुबंध खत्म होते ही 29 अगस्त को संचालन बंद कर दिया था। प्लांट में 65 कर्मचारी हैं, जिनका तीन–तीन माह का वेतन बाकी है। ठेकेदार कंपनी के जाने के बाद 30 अगस्त को कर्मचारी जल निगम (शहरी) के अधिशासी अभियंता विशाल सिंह से मिले, पर उन्होंने संचालन की जिम्मेदारी लेने से इन्कार कर दिया। गंगा प्रदूषण एवं जल निगम श्रमिक संघ के अध्यक्ष श्याम सिंह ने बताया कि कर्मचारियों ने गुरुवार रात 12 बजे से हड़ताल शुरू कर दी है। फिलहाल प्लांट की मशीनें चल रही हैं। यदि कोई खराबी आती है तो कर्मचारी ठीक नहीं करेंगे।

ठेकेदार कंपनी ने 36 एमएलडी प्लांट का संचालन बंद कर दिया है। इसके संचालन के एवज में नगर निगम से 29 करोड़ रुपये लेने हैं, पर नगर निगम धन नहीं दे रहा। टेनरी संचालक भी न्यायालय में मुकदमा लंबित होने के हवाला देते हुए धन देने से इनकार कर चुके हैं। ऐसी स्थिति में वह प्लांट नहीं चलवा सकते। शासन को पत्र लिखा है।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार ऑटो पलटा, युवक की मौत, तीन सवारियां घायल

उन्नाव, संवाददाता। शुक्लागंज–उन्नाव मार्ग पर अकरमपुर स्थित मिर्जा चौरिटेबल अस्पताल के सामने बाइक सवार को बचाने में तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में युवक की मौत हो गई। तीन सवारियां घायल हो गईं। शुक्लागंज से छह सवारियां लेकर ऑटो शाम करीब पांच बजे उन्नाव आ रहा था। शुक्लागंज–उन्नाव मार्ग पर अकरमपुर के पास अचानक से बाइक सवार सामने आने से अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में (46) साल के युवक की दबकर मौत हो गई। अन्य सवारियों में अचलगंज थानाक्षेत्र के मंताखेड़ा निवासी अंकित (22), सदर कोतवाली के शेखपुर नरी की पूजा (22) पत्नी हंसराज और सदर कोतवाली के सुल्तानखेड़ा निवासी सनी (30) घायल हो गए। मगरवारा चौकी पुलिस ने सभी को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। युवक को मृत घोषित करने पर शव पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया। अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। ऑटो पुलिस ने कब्जे में लिया है। कोतवाल प्रमोद कुमार मिश्र ने बताया कि ऑटो पलटने से एक की मौत हुई है। अभी पहचान नहीं हो पाई है। घायलों का इलाज चल रहा है।

कागजात नहीं दिखा पाया संचालक, हास्पिटल बंद करने के निर्देश दिए

उन्नाव, संवाददाता। एसीएमओ ने पुरवा स्थित हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। अवैध संचालन मिलने पर पुलिस को पत्र लिखकर हॉस्पिटल बंद कराने के लिए कहा है। वहीं, संचालक को नोटिस देकर कागज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ के निर्देश पर एसीएमओ डॉ. नरेंद्र सिंह गुरुवार दोपहर पुरवा के मिर्री रोड स्थित आदर्श हॉस्पिटल पहुंचे। यहां उन्होंने संचालक से हॉस्पिटल का पंजीकरण दिखाने के लिए कहा। संचालक कोई भी कागज नहीं दिखा सका। वहीं, हास्पिटल में मानक भी पूरे न मिलने पर एसीएमओ ने इसे बंद करने के निर्देश दिए। इसके अलावा पुरवा कोतवाली पुलिस को पत्र भेजकर को हॉस्पिटल बंद कराने के लिए कहा है। एसीएमओ ने बताया कि हॉस्पिटल संचालक को नोटिस देकर कागज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। हॉस्पिटल बंद रखने के लिए कहा गया है।

सीएम के लौटने के कुछ ही घंटे बाद दुष्कर्म का मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

अयोध्या, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या से लौटने के कुछ ही देर बाद यहां की खंडासा पुलिस ने किशोरी से दुष्कर्म करने के मुख्य आरोपी शहबान को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रात लगभग नौ बजे वाहन चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों को सतनापुर नहर से विनायकपुर मोड़ पर जाते समय रोका। रोके जाने पर संदिग्ध व्यक्तियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। पुलिस टीम की ओर से जवाबी फायरिंग में एक व्यक्ति के दाहिने पैर में गोली लगी। दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पूछताछ करने पर घायल व्यक्ति ने अपना नाम शहबान पुत्र मोहम्मद वारिस (24) बताया। फरार होने वाले व्यक्ति का नाम मोनू पुत्र यार मोहम्मद बताया। पूछताछ में पता चला कि पुलिस की गोली से घायल व्यक्ति किशोरी से दुष्कर्म करने का वांछित मुख्य आरोपी है। गिरफ्तार आरोपी के पास से मोटरसाइकिल, एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद हुआ। थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने शहबान के विरुद्ध पुलिस पार्टी पर हमला एवं आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया है।

जंगल चौकी के पास दुकान से सामान चोरी

बांदा, संवाददाता। जंगल विभाग की चौकी के पास मुख्य मार्ग किनारे स्थित दुकान से बुधवार की रात को चोरों ने सामान चोरी कर लिया। दुकान में खाने–पीने और राशन आदि चोर उठा ले गए। दुकानदार अब्दुल रशीद के मुताबिक वह बांस–बल्ली और छप्पर लगाकर दुकान किए है। उसने पुलिस को सूचना दी है। करतल चौकी प्रभारी रोशन गुप्ता ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर पड़ताल की जा रही है। मालुम हो कि तीन दिन के अंदर चोरी की यह दूसरी घटना है। इसके पूर्व कृषि उपज केंद्र मंडी करतल में चोरी हो गई थी, वहां से सरकारी लोहे का सामान, खिड़की, दरवाजे के फ्रेम आदि चोरी हो गए थे।

वन विभाग की भूमि अधिगृहीत कर सड़क बनाएं – डीएम

बांदा, संवाददाता। नरैनी तहसील के नौगवां गांव के सुखारी पुरवा के सड़क निर्माण में वन विभाग की भूमि आड़े आ रही है। बृहस्पतिवार को डीएम नगेंद्र प्रताप ने लोक निर्माण व वन विभाग के अधिकारियों की बैठक कर इस समस्या के निदान के निर्देश दिए। लोकनिर्माण विभाग को निर्देश दिए कि सड़क के बीच में पड़ रही वन विभाग की एक किलोमीटर भूमि अधिग्रहीत कर सड़क का निर्माण कराया जाए। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि यह सड़क लगभग चार किलोमीटर है। इसके निर्माण के लिए 3. 50 करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया गया है। डीएम ने इसे स्वीकृति के लिए शासन को भेजने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ वेद प्रकाश मौर्य, डीएफओ अरविंद कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग आरके सोनकर आदि मौजूद रहे। उधर, डीएफओ के निर्देश पर क्षेत्रीय वनाधिकारी अमित कुमार श्रीवास्तव ने सुखारी पुरवा में टीम के साथ जाकर मौके की जांच की।

स्वाइन फ्लू के मरीज बढ़े, डेढ़ सौ पहुंचा आंकड़ा

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में 15 दिन में स्वाइन फ्लू के 15 मरीज मिले हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू के लक्षण दिखते ही तत्काल जांच कराने के निर्देश दिए हैं। 31 अगस्त तक प्रदेश में कुल 150 मरीज मिल चुके हैं। तीन मरीजों की मौत भी हो चुकी है।

विदेश से आने वाले लोगों से भी इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन इस वर्ष स्वाइन फ्लू के मरीजों के मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी तंत्र को सक्रिय किया है। विभागीय रिपोर्ट के मुताबिक 15 अगस्त तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू के 135 मरीज थे, जो 31 अगस्त तक बढ़कर 150 हो गए हैं। इसमें सर्वाधिक 83 मरीज लखनऊ के हैं। मेरठ में 23, हापुड़ में 7 और अन्य जिलों में एक से चार तक मरीज मिले हैं। केजीएमयू मेडिसिन विभाग के डॉ. डी हिमांशु ने बताया कि बीमारी से घबराने की जरूरत नहीं है। इलाज की पुख्ता व्यवस्था है। बुखार, खांसी, गले में खरास, शरीर में तेज दर्ज की समस्या हो तो चिकित्सक की सलाह लेकर जांच जरूर कराएं। दांत के रूट कैनाल ट्रीटमेंट (आरसीटी) में डॉक्टर देवेश तिवारी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अधिवक्ता ने सर्वेश मिश्रा जानकीपुरम थाने में कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कराया है। क्लीनिक गायत्री डेंटल इम्प्लांट एंड फेस ट्रॉमा सेंटर में डॉ. देवेश ने दांतों की बीमारी हमेशा के लिए खत्म करने का दावा किया था। इसके लिए 50 हजार रुपये लिए थे।

अब पूर्व सैनिकों के जिम्मे बदहाल गोमती का कायाकल्प करने की जिम्मेदारी

लखनऊ, संवाददाता। रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने लखनऊ में चल रही नमामि गंगे परियोजना के तहत गोमती नदी में प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रादेशिक सेना (टीए) की एक अतिरिक्त कंपनी तैनात करने का निर्देश दिया है। इसमें पूर्व सैनिकों को तैनात किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह प्रस्ताव रक्षामंत्री के सामने रखा था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। इस परियोजना का संचालन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत जल शक्ति मंत्रालय की ओर से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य गंगा और उसकी सहायक नदियों का कायाकल्प करना है। दरअसल, 2016 में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए पूर्व सैनिकों को नियुक्त करके बेहतर परिणाम देने का निर्णय लिया था। इसके बाद मई 2019 में पूर्व सैनिकों के मॉडल पर आधारित पहला समग्र पारिस्थितिकी कार्य बल 137 सीईटीएफ का गठन किया गया। इसका मुख्यालय प्रयागराज में है। हालांकि कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी में एक–एक कंपनी तैनात है। बटालियन ने बहुत कम समय में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की ओर से सुधारात्मक कार्रवाई के लिए नालों की मैपिंग के साथ–साथ प्रदूषण निगरानी और आंकलन में योगदान दिया है। भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि कंपनी एक जनवरी 2025 से या फिर उससे पहले काम शुरू कर देगी। राष्ट्र निर्माण में यह कंपनी अपना योगदान देगी। कंपनी की स्थापना का उद्देश्य गोमती नदी के कायाकल्प के अलावा जैव विविधता का संरक्षण और स्थानीय जल निकायों का पुनरुत्थान है। इससे क्षेत्र में भूतपूर्व सैनिक समुदाय की पुनर्वास आकांक्षाओं को भी पूरा किया जा सकेगा। इसके अलावा राज्य के भीतर स्थानीय रोजगार के अवसरों का लाभ मिलेगा।

समय के साथ बढ़ती गई गोमती की बदहाली

गोमती के सुंदरीकरण के लिए खूब पहल हुई। नई–नई कार्ययोजना तैयार की गई, लेकिन समय के साथ इसकी बदहाली बढ़ती गई। सिंचाई विभाग ने वर्ष 2022 में पीलीभीत से वाराणसी तक गोमती के दोनों किनारों से 100 मीटर तक अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। हालांकि, इस दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं होने से गोमती में गंदगी की भरमार है। सिंचाई विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया था कि नदी अपने उद्गम स्थल माधो टांडा के समीप स्थित फुलहार झील, पीलीभीत से निकलकर शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अमेठी, जौनपुर से होकर गाजीपुर, वाराणसी सीमा के निकट सैदपुर कैथी में गंगा में मिलती है। गोमती के दोनों किनारों से 100 मीटर तक किसी भी प्रकार के निर्माण, अतिक्रमण, व्यवसायिक गतिविधि, पट्टे नीलामी, प्रदूषण करने वाली गतिविधियों को रोकने के लिए इस क्षेत्र को फ्लड प्लेन जोन तय किया था।

गैर समुदाय की शादी शुदा महिला व पुरुष के बीच हुआ प्रेम, मिला शव

सीतापुर, संवाददाता। सीतापुर जिले के रेउसा थाना क्षेत्र के बिजेहरा गांव में शुक्रवार सुबह एक महिला व पुरुष के शव एक ही पेड़ में फंदे से लटके मिले। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच जारी है। थाना रेउसा क्षेत्र के बिजेहरा गांव निवासी सलीमुन (45) व नकछेद (50) का शव बिजेहरा गांव के बाहर नकछेद के खेत में एक ही पेड़ से फंदे से लटके मिले। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों शादीशुदा थे। महिला विशेष समुदाय की है। वहीं, पुरुष भुर्जी समाज का है।

15 वर्ष पूर्व हुई थी पत्नी की

नकछेद की पत्नी की 15 वर्ष पूर्व मौत हो चुकी है। इनकी दो बेटियां थीं जिनका विवाह हो चुका है। वहीं, सलीमुन का पति मुश्ताक, दो लड़के व एक लड़की है। लड़की का विवाह हो चुका है।

12 साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग

ग्रामीणों की माने तो दोनों के बीच 12 साल पहले प्रेम हुआ। प्रेम परवान चढ़ा तो परिजनों को अखरने लगा। तीन दिन पूर्व सलीमुन के पति मुश्ताक का नकछेद से विवाद हुआ था। सूत्रों की मानें तो इसके बाद सलीमुन ने मुश्ताक के विरुद्ध एक तहरीर भी थाने पर दी थी। इसके बाद पुलिस गांव आई थी। पंचायत हो रही थी। इस पर सलीमुन व मुश्ताक गांव से निकल गए। आज दोनों के शव मिले हैं।

दामाद को की थी आखिरी कॉल

नकछेद के दामाद रामू निवासी बसंतापुर थाना क्षेत्र रेउसा के मुताबिक नकछेद ने रात 8 बजे करीब उसे फोन किया था। उस समय नकछेद ने बताया था कि मुझे 10–12 लोग घेरे हैं, बचा लो। दमाद रात में आये थे लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पाए। वापस चले गए। सुबह शव मिले।

बाराबंकी में भीषण हादसा, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

बाराबंकी, संवाददाता। लखनऊ–महमूदाबाद मार्ग पर बृहस्पतिवार देर रात बड्डूपुर क्षेत्र के इनैतापुर गांव के पास दो कार व एक ऑटो में भीषण टक्कर हो गई। इसमें एक कार सड़क के बगल तालाब में चली गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। देर रात तक राहत व बचाव कार्य जारी रहा। मौके पर डीएम और एसपी भी मौजूद रहे। पुलिस के अनुसार रात करीब 10.40 बजे फतेहपुर की ओर से लखनऊ की तरफ जा रही तेज रफ्तार कार ने पहले एक ऑटो को टक्कर मारी उसके बाद सामने से आ रही दूसरी कार में टकराकर तालाब में चली गई। हादसे में ऑटो में सवार सभी आठ लोग सड़क पर गिरकर तड़पने लगे। सड़क भी जाम हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल भिजवाना शुरू किया। दो को सीएचसी घुंघटेर व तीन को जिला अस्पताल में मृत घोषित दिया गया।

सीओ ने बताया कि मृतकों में इरफान पुत्र एहतेशाम, वहिदून निशा पत्नी स्वर्गीय अनवार अली, अजीज अहमद उर्फ बुद्धू पुत्र मुहर्रम अली, ताहिरा बानो पुत्री जाकिर अली व साबरीन पत्नी तारिक काजमी शामिल हैं। सभी बाराबंकी जिले के कुर्सी क्षेत्र के उमरा गांव के एक ही परिवार के रहने वाले हैं। सभी ऑटो से एक रिश्तेदार के निधन पर हाल जानने जा रहे थे। ऑटो में सवार शायरा बानो पत्नी अजीज अहमद, एक बच्ची अक्सा पुत्री सारिक, वरुना कार चालक नंदना खुर्द गांव का विवेक घायल हैं। एसपी दिनेश कुमार ने बताया कि कार में सवार कुछ लोग दूसरे वाहन से गए हैं। उनका भी पता किया जा रहा है।

रिंग रोड के लिए चकेरी व कुलगांव में जमीन देगा नगर निगम

कानपुर, संवाददाता। कानपुर रिंग रोड के निर्माण के लिए नगर निगम ग्राम चकेरी और कुलगांव में स्थित अपनी जमीन देगा। इसके लिए गठित समिति की संस्तुति पर नगर आयुक्त ने स्वीकृति दे दी है। छह सितंबर को होने वाली कार्यकारिणी समिति और आगामी सदन की हरी झंडी के बाद शासन से जमीन हस्तांतरित करने के लिए स्वीकृति प्रदान की जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) शहर के चारों तरफ 93.20 किलोमीटर का रिंग रोड बनवा रहा है। इसे चार पैकेज (फेज) में बनाया जा रहा है। पैकेज–1 के तहत मंधना से सचेंडी और पैकेज–4 के तहत सचेंडी से रमईपुर तक निर्माण चल रह है। मंधना से सचेंडी तक करीब 15 प्रतिशत और सचेंडी से रमईपुर तक करीब पांच प्रतिशत निर्माण हो गया है। पैकेज–3 के तहत रमईपुर से रूमा, कुलगांव, चकेरी होते हुए गंगा नदी पर पुल सहित आटा (उन्नाव) तक निर्माण के लिए टेंडर हो गए हैं, पर जमीन अधिग्रहण की समस्या आड़े आ रही थी। आटा से गंगा नदी में ही दूसरा पुल बनाते हुए मंधना तक निर्माण पैकेज–2ए और 2बी के तहत होना है, पर पर्यावरण मंत्रालय की एनओसी न मिलने के बाद इस पैकेज के टेंडर फाइनल नहीं हो पाए हैं। एनएचएआई के परियोजना निदेशक ने 27 मार्च को नगर रिंग रोड के पैकेज–3 के निर्माण के लिए ग्राम कुलगांव और चकेरी की जमीन अधिग्रहित करने के लिए तब के नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन को पत्र लिखा। नगर आयुक्त ने इस संबंध में दो अप्रैल को कमेटी गठित की। कमेटी ने इस प्रस्ताव का परीक्षण किया। जिलाधिकारी के मूल्यांकन सूची–2018 में अंकित गांव की जमीन दर पर मुआवजा निर्धारित किया। नगर आयुक्त ने नगर निगम की संपत्ति के निस्तारण के लिए नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा–129 के तहत निस्तारित करने के लिए कहा।

औपचारिकताएं पूरी होते ही हस्तांतरित कर दी जाएगी जमीन

नगर आयुक्त ने जमीन हस्तांतरित करने के लिए यह कहते हुए स्वीकृति प्रदान की कि नगर निगम अधिनियम के संपत्ति के निस्तारण संबंधी अधिनियम में निहित प्रावधानों के अंतर्गत प्रस्ताव कार्यकारिणी, सदन के निर्णय के बाद जमीन हस्तांतरण की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जाए। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि चूंकि यह अविकसित जमीन जिलाधिकारी की तरफ से निर्धारित सर्किल रेट के आधार पर एनएचएआई को रिंग रोड के लिए दी जानी है। इसलिए इस प्रस्ताव को नगर निगम कार्यकारिणी समिति और सदन की स्वीकृति मिलना लगभग तय है। स्थानीय सदन से स्वीकृति के बाद शासन की भी हरी झंडी मिल जाएगी। ये औपचारिकताएं पूरी होते ही चिह्नित जमीन एनएचएआई को हस्तांतरित कर दी जाएगी।

ये प्रस्ताव भी रखे जाएंगे

कार्यकारिणी समिति की बैठक के एजेंडे में 11 प्रस्ताव शामिल हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त उपन्यास पहला गिरमिटिया के लेखक दिवंगत गिरिराज किशोर के नाम से सूटरगंज की सड़क का नामकरण, समाजसेवक दिवंगत सुनील ब्रह्मचारी के नाम से ई–ब्लक बर्रा गांव मोड़ मार्ग का नामकरण, जलकल विभाग मुख्यालय में नई लिफ्ट, पांच लाख से 10 लाख तक के विकास कार्यों के टेंडर 15 दिन में कार्यकारिणी समिति में प्रस्तुत करने, कन्वेंशन सेंटर के निर्माण में विलंब की जांच के लिए पार्षदों और अधिकारियों की समिति गठित करने, कन्वेंशन सेंटर बनने के बाद नगर निगम को हस्तांतरित करने के बाद संचालन के लिए पार्षदों व अधिकारियों की कमेटी गठित करने, एक लाख से ज्यादा के कार्य ई–टेंडरों से कराने, विकास कार्य कराने से पहले टेंडरों की जांच कराने, हॉटमिक्स प्लांटों की जांच, नगर निगम मुख्यालय की तीसरी मंजिल पर स्थित कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड कार्यालय से किराया निर्धारित करने का प्रस्ताव शामिल है।

शाहगंज में 8 करोड़ की लागत से होंगे विकास कार्य

आगरा, संवाददाता। उत्तर भारत की ऐतिहासिक जनकपुरी का आयोजन इस बार शाहगंज क्षेत्र में हो रहा है। भगवान श्रीराम के स्वागत के लिए शाहगंज क्षेत्र को चमकाने में नगर निगम 8 करोड़ रुपये खर्च करेगा।

कोठी मीना बाजार मैदान में बनाए जा रहे जनक महल के आसपास की कॉलोनियों में 32 निर्माण कार्यों को मंजूरी दी गई है। शुक्रवार को इनके टेंडर खोले जाएंगे, जिसके बाद निर्माण कार्यों की शुरूआत की जाएगी। नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने बताया कि जनकपुरी आयोजन में नगर निगम किसी तरह की कमी नहीं छोड़ेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन में सड़कों का निर्माण, स्ट्रीट लाइटें, फुटपाथ, नालियों आदि का निर्माण कराया जाएगा। स्वच्छता के क्षेत्र में भी कई कार्य कराए जाएंगे। दीवारों पर पेंटिंग आदि के साथ डिवाइडरों पर हरियाली विकसित की जाएगी। जनकपुरी आयोजन समिति के संयोजक गौरव राजावत ने बताया कि पहली बार शाहगंज क्षेत्र को भगवान राम के स्वागत का मौका मिला है। जनकपुरी आयोजन को इसकी गरिमा के मुताबिक भव्य और दिव्य बनाया जाएगा। जनक महल का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। बारिश के कारण काम रुका, लेकिन दिन रात लगकर समय से पहले मंच का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा।

ये होंगे निर्माण कार्य

सीओडी तिराहे से साकेत चौराहे तक हॉटमिक्स सड़क, रूई की मंडी फाटक से शाहगंज तक सड़क, शाहगंज चौराहे से संगीता सिनेमा तक सड़क निर्माण के साथ सड़कों के डिवाइडर की मरम्मत और रंगाई–पुताई, गलियों में सीसी निर्माण कार्य, फुटपाथ और इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाए जाएंगे।

साकेत चौराहे से स्पीड चौराहे तक इंटरलॉकिंग, ताज मैरिज कॉम्पलेक्स के सामने नाला मरम्मत, साकेत कॉलोनी में नाली निर्माण, इंटरलॉकिंग टाइल्स, सत्यनगर कॉलोनी, राजा जनक की गली में टाइल्स, कलारी से झूले लाल मंदिर तक सीसी रोड, गोविंद नगर में सड़क, चिंताहरण मंदिर, आलोक नगर में सड़क निर्माण, भोगीपुरा चौराहे से जीप स्टैंड तक टाइल्स लगाने समेत 32 निर्माण कार्य कराए जाएंगे।

नजूल की जमीन के रिकार्ड की जांच करने वाले दोनों बाबू गायब

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में नजूल की संपत्तियों के रजिस्टरों की जांच कर नई रिपोर्ट तैयार करने का काम रुक गया है। दरअसल, पटल बाबू प्रदीप निगम एक सप्ताह से कार्यालय से गायब हैं। उनके बारे में न किसी अधिकारी को जानकारी है और न ही किसी साथी को। वहीं दूसरे बाबू बच्चे की तबीयत खराब होने के कारण कार्यालय नहीं आ रहे हैं। सिविल लाइंस स्थित नजूल की संपत्ति पर कब्जा करने का मामला सामने आने के बाद एडीएम वित्त राजेश कुमार के कार्यालय में कई वर्ष पहले तैयार किए गए नजूल संपत्तियों के 40 रजिस्टर मिले थे। इसके आधार पर नजूल की संपत्तियों की जानकारी प्रशासन हासिल कर रहा है। इन रजिस्टरों पर लिखा है कि नजूल की संपत्ति किन लोगों को कब और कितने समय के लिए दी गई। इनके कई अभिलेख रजिस्ट्री विभाग में नहीं मिले रहे हैं। ऐसे में प्रशासन इन रजिस्टरों के आधार पर ही नजूल की संपत्तियों की जांच कर कब्जेदारों पर कार्रवाई कर रहा है। जिलाधिकारी ने नजूल के सभी रजिस्टर की जांच कर नए सिरे से रिपोर्ट तैयार करने के लिए नजूल बाबू प्रदीप निगम और सोमिल को निर्देश दिए थे। एक सप्ताह पहले सोमिल के बच्चे की तबीयत खराब होने पर एडीएम कार्यालय में प्रार्थना पत्र देकर छुट्टी पर चली गईं। इसके बाद तीन दिन पहले प्रदीप निगम बिना बताए कार्यालय से गायब हो गए। बिना बताए कार्यालय से नजूल बाबू गायब हैं। इस कारण कार्य ठप हो गया। आने के बाद ही संपत्तियों का रिकॉर्ड तैयार कराया जाएगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।